सांध्य दैनिक

4PM

जिद...सच की

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्ष: 8 ● अंक: 170 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, मंगलवार, 26 जुलाई, 2022

मूल्य ₹ 3/-

जब तक गलती करने की स्वतंत्रता न हो तब तक स्वतंत्रता का कोई अर्थ नहीं है।

–महात्मा गांधी

केजरीवाल सरकार के खिलाफ की जा रही... 7 | अखिलेश से 'तलाक' के बाद अब राजभर... 3 | यूपी विधान परिषद में 81 एमएलसी... 2

सोनिया से ईडी की पूछताछ हिरासत में राहुल

नेशनल हेराल्ड केस में कांग्रेस की अंतरिम अध्यक्ष से दूसरे दौर की पूछताछ

विजय चौक पर धरने पर बैठे राहुल गांधी को पुलिस ने जबरन उठाया

» जांच एजेंसी की कार्रवाई के खिलाफ कांग्रेस ने देश भर में किया प्रदर्शन

» केंद्र सरकार पर विपक्षी नेताओं के उत्पीड़न का लगाया आरोप

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। नेशनल हेराल्ड केस में ईडी (प्रवर्तन निदेशालय) ने आज कांग्रेस की अंतरिम अध्यक्ष सोनिया गांधी से दूसरे दौर की पूछताछ की। वहीं जांच एजेंसी की इस कार्रवाई के खिलाफ पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी कई पार्टी नेताओं और सांसदों के साथ विजय चौक पर धरने पर बैठे। दिल्ली पुलिस ने कांग्रेस के कई नेताओं और राहुल गांधी को हिरासत में लिया है।

नेशनल हेराल्ड केस में दूसरे दौर की पूछताछ के लिए आज कांग्रेस की अंतरिम अध्यक्ष सोनिया गांधी ईडी दफ्तर पहुंचीं। इस दौरान उनके बेटे राहुल गांधी और बेटी प्रियंका गांधी भी साथ रहीं। प्रियंका गांधी उनके साथ ईडी दफ्तर गईं। सोनिया गांधी की तबीयत को देखते हुए उनके साथ ईडी दफ्तर में एक व्यक्ति को अंदर जाने की इजाजत है। इससे पहले गुरुवार को ईडी ने सोनिया गांधी से पूछताछ की थी। सोनिया गांधी को कुछ घंटों की पूछताछ के बाद ईडी ने जाने दिया था। वहीं ईडी की कार्रवाई के खिलाफ कांग्रेस एक बार फिर सड़कों पर उतरी। कांग्रेस के सांसदों ने राहुल गांधी की मौजूदगी में संसद भवन में गांधी प्रतिमा से विजय चौक तक मार्च निकाला। दिल्ली पुलिस ने प्रदर्शन कर रहे कुछ कांग्रेसी नेताओं को हिरासत में लिया है। राहुल गांधी ने कहा कि कांग्रेस के सांसद यहां महंगाई और बेरोजगारी के मुद्दे पर बात करने के लिए जुटे हैं। पुलिस हमें यहां बैठने नहीं दे रही है। संसद में बात नहीं करने दी जा रही है और यहां हमें गिरफ्तार किया जा रहा है। फिलहाल पुलिस राहुल गांधी को हिरासत में लेकर संसद मार्ग थाने पहुंची है। राहुल गांधी के अलावा सांसद रंजीत रंजन, केसी वेणुगोपाल, मणिक्कम टैगोर, इमरान प्रतापगढ़ी और के. सुरेश को भी हिरासत में लिया गया है। सोनिया से पूछताछ के खिलाफ कांग्रेस कार्यकर्ता दिल्ली, राजस्थान, छत्तीसगढ़ समेत कई अन्य राज्यों में प्रदर्शन कर रहे हैं। कर्नाटक कांग्रेस के मुखिया डीके शिवकुमार ने कहा कि केंद्र सरकार विपक्षी नेताओं का उत्पीड़न कर रही है लेकिन कांग्रेस इसके खिलाफ जंग लड़ेगी। हम सोनिया गांधी और राहुल गांधी के साथ हैं।

क्या है मामला

नेशनल हेराल्ड अखबार और इसे प्रकाशित करने वाली कंपनी एजेएल और यंग इंडियन कंपनी में वित्तीय गड़बड़ी को लेकर ईडी जांच कर रही है। सोनिया और राहुल के पास यंग इंडिया के 36 प्रतिशत शेयर थे।

राजघाट पर प्रदर्शन की नहीं मिली अनुमति

दिल्ली पुलिस ने कांग्रेस को राजघाट पर विरोध प्रदर्शन करने की अनुमति देने से इंकार कर दिया है। यहां धारा 144 लागू कर दी गई है। इसके साथ ही कांग्रेस दफ्तर के पास भारी पुलिसबल तैनात किया गया है। इसे लेकर कांग्रेस ने भाजपा पर निशाना साधा है। कांग्रेस नेता अजय माकन ने कहा, हम राजघाट पर सत्याग्रह करना चाहते थे लेकिन भाजपा हमें सत्याग्रह करने की इजाजत नहीं दे रही है। उन्होंने नेशनल हेराल्ड को लेकर कहा कि ये केस 2016 में खत्म हो गया था। ईडी ने इसे बंद कर दिया था लेकिन सरकार ने इसे दोबारा खोला है।

लखीमपुर हिंसा: आरोपी आशीष मिश्रा को जमानत देने से हाईकोर्ट का इंकार

» खारिज की याचिका, 15 जुलाई को सुनवाई पूरी होने के बाद आदेश रखा था सुरक्षित

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच ने लखीमपुर खीरी के तिकुनिया हिंसा मामले में केंद्रीय गृह राज्य मंत्री अजय मिश्रा टेनी के पुत्र आशीष मिश्रा उर्फ मोनू की जमानत याचिका को खारिज कर दिया है। कोर्ट ने कहा कि तथ्यों को देखते हुए आशीष मिश्रा को जमानत पर रिहा नहीं किया जा सकता है। यह निर्णय न्यायमूर्ति कृष्ण पहल की एकल पीठ ने आशीष मिश्रा की जमानत याचिका को खारिज करते हुए पारित किया। पीठ ने 15 जुलाई को आदेश सुरक्षित कर लिया था।

इससे पहले हाईकोर्ट ने 10 फरवरी, 2022 को आशीष को जमानत दे दी थी

किंतु सुप्रीम कोर्ट ने जमानत खारिज करके सुनवाई वापस हाईकोर्ट भेजकर कहा था कि पीड़ित पक्ष को सुनवाई का पूरा अवसर देकर आशीष की जमानत अर्जी पर नए सिरे से आदेश पारित किया जाए। इसी के बाद से हाईकोर्ट नए सिरे से सुनवाई कर रहा था। लखीमपुर खीरी में पिछले साल प्रदर्शन के दौरान थार जीप ने चार किसानों को कुचल दिया था, जिससे उनकी मौत हो गई थी।

कारगिल विजय दिवस पर बोले सीएम योगी

देश को कमजोर कर रही जाति-धर्म की संकीर्णता

» शहीदों के परिजनों के साथ खड़ी है सरकार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। कारगिल विजय दिवस के मौके पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आज पूरा देश कारगिल विजय दिवस मना रहा है। भारत के महापुरुषों के प्रति सम्मान में अपने घरों पर तिरंगा लहराएं। जाति, धर्म और मजहब की संकीर्णता से ऊपर उठना होगा क्योंकि यही बातें देश को कमजोर कर रही हैं।

कारगिल वाटिका में आयोजित कार्यक्रम में सीएम ने कहा कि कारगिल स्वतंत्र भारत का ऐसा युद्ध था जिसे भारत पर पाकिस्तान ने जबरन थोपा था। मई 1999 को यह युद्ध प्रारंभ होता है आज ही कारगिल युद्ध में भारत की विजय की

घोषणा हुई थी। उन्होंने कहा कि कैसा भारत चाहिए। देश की 135 करोड़ आबादी को इसका संकल्प लेना होगा। हमारी सरकार कारगिल में शहीद हुए जवानों के परिजनों के साथ हमेशा खड़ी है। इस अवसर पर नगर विकास मंत्री एके शर्मा और उप मुख्यमंत्री बृजेश पाठक भी मौजूद रहे।

एनसीआर जाने वाली गाड़ियों पर नहीं लगेगा रोड टैक्स

लखनऊ। एनसीआर में रहने वाले प्रदेश के लाखों लोगों को योगी सरकार ने बड़ी राहत दी है। अब इनको रोड टैक्स नहीं चुकाना होगा। योगी कैबिनेट ने इस प्रस्ताव को आज मंजूरी दे दी है। इनमें वैन, कैब, एंबुलेंस आदि वाहन शामिल होंगे। यह जानकारी परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह ने दी। चार राज्यों ने आपस में टैक्स माफ करने का समझौता किया है। प्रदेश के परिवहन विभाग ने चार राज्यों दिल्ली, हरियाणा, राजस्थान और यूपी के बीच रोड टैक्स को लेकर करार किया था। वहीं बेसिक शिक्षा परिषद की ओर से संचालित स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चों को इस सत्र से 1100 रुपये की बजाय 1200 रुपये डीबीटी के माध्यम से उनके खातों में ट्रांसफर करने का निर्णय किया गया है।

यूपी विधान परिषद में 81 एमएलसी में से 26 पर क्रिमिनल केस

» एडीआर की रिपोर्ट में खुलासा, भाजपा के एमएलसी सबसे ज्यादा अपराधी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधान परिषद में 81 में से 26 सदस्यों (एमएलसी) पर आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं। यानी 32 प्रतिशत सदस्य ऐसे हैं जिन पर आपराधिक मुकदमे हैं। तीन सदस्यों पर हत्या से संबंधित, चार पर हत्या का प्रयास से संबंधित मामले दर्ज हैं। इनमें भाजपा के 22, सपा के तीन और एक निर्दलीय सदस्य शामिल हैं। कुल सदस्यों में 66 सदस्य करोड़पति हैं। इलेक्शन वाच और एसोसिएशन फार डेमोक्रेटिक रिफार्म (एडीआर) ने यूपी के विधान परिषद सदस्यों को लेकर सोमवार को रिपोर्ट जारी की है। इसमें सदस्यों की औसत संपत्ति 11.72 करोड़ रुपये बताई गई है।

सबसे अमीर सदस्य 177 करोड़ की संपत्ति के साथ दिनेश कुमार गोयल हैं, जबकि सबसे कम संपत्ति भाजपा के सदस्य अनूप गुप्ता की मात्र 6.69 लाख रुपये है। एडीआर की रिपोर्ट के मुताबिक 15 सदस्य ऐसे हैं जिनकी संपत्ति एक करोड़ से कम है। इनमें तीन ऐसे सदस्य हैं जिन्होंने 20 लाख से भी कम संपत्ति दिखाई है। भाजपा के 66 में से 54, सपा के सात में से छह, अपना दल का एक और निर्दलीय में छह में से पांच सदस्य करोड़ पति हैं। इस समय परिषद में केवल पांच महिला सदस्य हैं। 100 सदस्यों वाली विधान परिषद में इस समय दो सीटें रिक्त हैं। सात सदस्यों के शपथपत्र उपलब्ध नहीं है। वहीं 10 मनोनीत सदस्यों को शपथपत्र नहीं देना होता है। इलेक्शन वाच के राज्य समन्वयक संजय सिंह ने बताया कि 32 प्रतिशत सदस्य ऐसे हैं जिन पर मुकदमे दर्ज हैं। तीन सदस्यों पर हत्या से संबंधित, चार पर हत्या का प्रयास से संबंधित मामले दर्ज हैं। इनमें से भाजपा के 22, सपा के तीन और एक निर्दलीय सदस्य पर आपराधिक मामला दर्ज है।

भाजपा के खाते में जाएगी दोनों सीटें

विधानसभा में सदस्य संख्या देखते हुए दोनों सीटों पर भाजपा की जीत तय मानी जा रही है। विधान सभा के 403 विधायकों में से 255 विधायक भाजपा के हैं, जबकि भाजपा गठबंधन की 273 सीटें हैं। वहीं सपा की 111 सीटें हैं जबकि गठबंधन के सहयोगियों के साथ उसकी 125 सीटें हैं। एमएलसी उपचुनाव में जीत के लिए 202 विधायकों के मतों की ही जरूरत है। ऐसे में दोनों ही सीटों पर भाजपा जीत दर्ज कर लेगी। विधान परिषद में दलीय स्थिति देखें तो भाजपा के 73, सपा के 9, बसपा के 1, अपना दल के 1, निषाद पार्टी के 1, जनसत्ता दल लोकतांत्रिक के 1, शिक्षक दल गैर राजनीतिक के 2, निर्दलीय समूह के 2 और 2 सदस्य निर्दलीय हैं।

रिक्त सीटों के लिए 11 अगस्त को उप चुनाव

यूपी विधान परिषद की दो रिक्त सीटों के लिए 11 अगस्त को उप चुनाव होगा। विधान परिषद में पूर्व नेता प्रतिपक्ष अहमद हसन के निधन से एक सीट खाली हुई है, जबकि दूसरी विधायक निर्वाचित होने के बाद पूर्व एमएलसी ठाकुर जयवीर सिंह के इस्तीफे से रिक्त हुई है। इस उप चुनाव के लिए अधिसूचना जारी हो चुकी है। सदस्यों की संख्या देखते हुए दोनों सीटों पर भाजपा की जीत तय मानी जा रही है। विधान परिषद की दो रिक्त सीटों में से एक सीट समाजवादी पार्टी के दिवंगत सदस्य और विधान परिषद में नेता प्रतिपक्ष रहे अहमद हसन की बीती 20 फरवरी को हुई मौत के कारण खाली हुई थी। उनका कार्यकाल 30 जनवरी 2027 तक था। दूसरी सीट अलीगढ़ की बरौली सीट से विधायक चुने गए ठाकुर जयवीर सिंह द्वारा बीती 24 मार्च को विधान परिषद की सदस्यता से दिये गए इस्तीफे की वजह से रिक्त हुई थी। उनका कार्यकाल पांच मई 2024 तक था।

यूपी की बिजली व्यवस्था पहले से बेहतर, विरोधी कर रहे दुष्प्रचार : शर्मा

» ऊर्जा मंत्री बोले, बिजली का उत्पादन और खपत दोनों ही बढ़े

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। प्रदेश के ऊर्जा और नगर विकास मंत्री अरविंद कुमार शर्मा ने मथुरा का दौरा किया। उन्होंने यहां मसानी स्थित मुकुंद विहार में भाजपा के प्रबुद्ध वर्ग सम्मेलन को संबोधित किया। ऊर्जा मंत्री ने प्रदेश की बिजली व्यवस्था को पहले से बेहतर बताया। उन्होंने कहा कि बिजली का उत्पादन और खपत दोनों ही बढ़े हैं। अभी तक के इतिहास में यूपी के बिजली घरों की जितनी विद्युत क्षमता बढ़ी, इतनी पहले कभी नहीं बढ़ी। सफाईकर्मियों पर अरविंद कुमार शर्मा ने कहा कि सुबह पांच बजे उठकर सफाई करना आसान नहीं होता। हमारे मेयर, पार्षद और विधायक भी सफाई कार्य में लगे हैं। उन्होंने मोदी कार्यकाल की उपलब्धियों को गिनाते उन पर लिखी किताब मोदी एट दी रेट ट्वेंटी ड्रीम्स मीट डिलीवरी नाम के बारे में बताया।

इससे पूर्व ऊर्जा मंत्री ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय की तस्वीर पर माल्यार्पण किया। ऊर्जा मंत्री ने रिफाइनरी गेस्ट हाउस में मथुरा-वृंदावन नगर निगम की कूड़ा उठाने वाली गाड़ियो पर बजने वाले जनहित संदेश की नए ऑडियो ट्यून को लॉन्च किया। इस मौके पर हरी झंडी दिखाकर 10 गाड़ियो को रवाना किया गया। नगर आयुक्त अनुनय झा से कहा कि वह साफ-सफाई और पेयजल व्यवस्था को पहले समय के मुकाबले अच्छा बनाने की कवायद करें। नगर आयुक्त ने कहा कि अगले तीन दिन में नगर निगम की सभी गाड़ियों पर यह ट्यून बजना शुरू हो जाएगी। भाजपा के प्रबुद्ध वर्ग के सम्मेलन में ऊर्जा मंत्री के समक्ष बाकलपुर निवासी बादाम सिंह की पत्नी सुमन को ध्वस्त किए जाने को लेकर फफक-फफककर रो पड़ी।

एक घंटे तक यूपी एसटीएफ की गिरफ्त में रहे स्वामी प्रसाद

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी के एमएलसी और पूर्व मंत्री स्वामी प्रसाद मौर्य से यूपी एसटीएफ ने पूछताछ की है। यूपी एसटीएफ ने स्वामी प्रसाद मौर्य से करीब एक घंटे तक पूछताछ की। माना जा रहा है कि स्वामी प्रसाद मौर्य से यह पूछताछ उस ठगी के सिलसिले में हुई है, जिसमें उनके निजी सचिव रहे अरमान को एसटीएफ ने गिरफ्तार किया है।

दरअसल, कुछ दिनों पहले एसटीएफ ने स्वामी प्रसाद मौर्य के पीए यानी निजी सचिव रहे अरमान और उसके गिरोह के कुछ लोगों को गिरफ्तार किया था, जिनके ऊपर लोगों से सरकारी नौकरी लगवाने के नाम पर धोखाधड़ी करने का आरोप है। एसटीएफ ने इनके कब्जे से बड़ी संख्या में स्टूडेंट्स की मार्कशीट, आधार कार्ड और कुछ फर्जी सरकारी दस्तावेज भी जब्त किए थे। बताया जा रहा है कि एमएलसी स्वामी प्रसाद मौर्य से इसलिए पूछताछ कर रही थी, क्योंकि जब यह फर्जीवाड़ा सामने आया था, तब स्वामी प्रसाद मौर्य मंत्री थे और उसी दौरान उनके निजी सचिव का यह पूरा फर्जीवाड़ा सामने आया था। बता दें कि स्वामी के निजी सचिव रहे अरमान पर आरोप है कि वह कथित तौर पर युवाओं को नौकरी देने के नाम पर धन उगाही करता है।

अगली सरकार सपा की बनेगी : इकबाल महमूद

» शिवपाल यादव को लेकर किए गए सवाल पर साधी चुप्पी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। संभल के सपा विधायक व पूर्व कैबिनेट मंत्री इकबाल महमूद ने सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी (सुभासपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष ओम प्रकाश राजभर को बुझा हुआ कोयला बताया है। साथ ही उनकी छवि और पार्टी को लेकर तंज किया है। सपा विधायक ने कहा कि राजभर की पार्टी की हालत सभी जानते हैं। वह सपा से बगावत इसलिए कर रहे हैं, क्योंकि वह अपने बेटे को एमएलसी बनाने की मांग कर रहे थे। जब बात नहीं मानी गई तो पार्टी से अलग होने के लिए पत्र लिख दिया।

सपा विधायक ने कहा कि राजभर तो खुद मुख्तार अंसारी के परिवार की वजह से विधायक बनते हैं। उनका अपना कोई वजूद नहीं है। अगर मुख्तार अंसारी के परिवार का समर्थन न हो तो वह विधायक ही नहीं बन सकते। वह आगे बोले कि मैं नहीं समझता कि मायावती इन्हें अपना समर्थन देंगी। इन्हें लौटकर बीजेपी में ही जाना है। इनकी भाजपा नेताओं से लगातार बात हो रही है। ये (ओपी राजभर) बातें करते हैं और जहां जाते हैं धोखा देते हैं। यह बात बीजेपी भी समझ गई गई और हम भी समझ गए हैं। इनके पास कुछ नहीं है। यह बुझे हुए कोयले की तरह हैं। शिवपाल यादव को लेकर किए गए बयान पर पूर्व मंत्री बोले- मुझे इस पर कुछ नहीं कहना है। उन्होंने कहा कि सपा आज भी यूपी की नंबर एक की पार्टी है। सपा का वोटर आज पूरी तरह से सपा से जुड़ा है। मधुमक्खी के छत्ते की तरह वह सपा से जुड़ा हुआ है। भाजपा चाहती है कि मुसलमानों का बंटवारा हो जाए तो इसका फायदा उसे मिलेगा। इकबाल महमूद ने कहा कि विधानसभा-2022 के चुनाव में भाजपा ने देख लिया है कि उनकी सीटें कितनी कम हुईं हैं। उनको जो फीडबैक मिला है, उसमें कहा है कि मुसलमानों का एकजुट होना आपके लिए खतरनाक है। अगली सरकार सपा की ही बनेगी। महंगाई, फीस, बेरोजगार के मुद्दे पर भाजपा हारेगी।

शहरों में निकाय की दुकानों का बढ़ेगा किराया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। शहरों में निकाय की दुकानें कौड़ियों पर लेकर लाखों कमाने वालों से अब बाजार दर पर किराया वसूला जाएगा। वित्तीय संसाधन विकास बोर्ड ने शासन को भेजे प्रस्ताव में कहा है कि ऐसी संपत्तियों का किराया बढ़ाकर निकायों की माली हालत ठीक की जा सकती है। बड़े शहरों में नगर निगमों और अन्य निकायों की अपनी आवासीय, व्यवसायिक के साथ छोटी-बड़ी दुकानें भी हैं। इन संपत्तियों की देखरेख और किराया वसूली के लिए रेंट विभाग भी है। अधिकतर शहरों में प्राइम लोकेशन पर दुकानें और आवास हैं। उदाहरण के लिए लखनऊ की बात करें तो रिवर बैंक कालोनी सबसे पॉश इलाके में है, लेकिन देखा जाए तो इन संपत्तियों से नाम मात्र का किराया आता है। निकाय इन संपत्तियों की वास्तविक जानकारी भी देने से बचते हैं। इसके पीछे लंबा खेल बताया जाता है। वित्तीय संसाधन विकास बोर्ड ने प्रदेश भर के निकायों से उनके किराए पर चल रही संपत्तियों और उससे होने वाले आय के बारे में जानकारी मांगी है। कुछ निकायों ने तो जानकारी उपलब्ध करा दी है, लेकिन अधिकतर नहीं दे रहे हैं। गाजियाबाद नगर निगम के पास 1280 दुकानें और 422 ठिये हैं।

अखिलेश से 'तलाक' के बाद अब राजभर का नया 'हमसफर' कौन!

तलाक के बाद अब किससे सियासी निकाह करेंगे राजभर

बसपा और भाजपा में जाने को लेकर अटकलें तेज

सुभासपा प्रमुख ने अभी नहीं खोले पत्ते ऑफर का इंतजार

दिव्यभान श्रीवास्तव

लखनऊ। सपा गठबंधन से आजाद हुए सुभासपा अध्यक्ष ओमप्रकाश राजभर के अगले कदम को लेकर तमाम अटकलें लगाई जा रही हैं। बसपा के साथ जाने के उनके बयान को गंभीरता से नहीं लिया जा रहा है। इसके उलट यह कयासबाजी तेज हो गई है कि राजभर भाजपा से ही जुड़ेंगे जबकि राजभर इन दोनों दलों के खिलाफ नरम पड़ गए हैं। वर्ष 2024 आम चुनाव से पहले प्रदेश में वह सत्ता में भागीदारी पा सकते हैं।

सूत्रों का कहना है कि राजभर को लेकर ताजा अटकलें यह हैं कि अगले एक सप्ताह के अंदर उनकी मुलाकात भाजपा के केंद्रीय नेतृत्व से होने वाली है, जिसमें यह तय होगा कि आम चुनाव 2024 में साथ-साथ चलने के लिए राजभर की किस तरह प्रदेश की सत्ता में समायोजित किया जाए। बता दें कि उत्तर प्रदेश विधान सभा चुनाव में बीजेपी के खिलाफ साथ आए सपा प्रमुख अखिलेश यादव और सुभासपा चीफ ओमप्रकाश राजभर की दोस्ती टूट गई है। सपा से गठबंधन टूटने के बाद ओमप्रकाश राजभर के अगले सियासी कदम को लेकर अटकलें लगाई जा रही हैं। ऐसे में राजभर अब अपनी सियासी पारी को अपने दम पर बढ़ाएंगे या फिर किसी मजबूत राजनीतिक कंधे के सहारे आगे बढ़ेंगे। ऐसे में राजभर के सामने फिलहाल तीन ही सियासी विकल्प बचे हैं? फिलहाल चर्चा यह भी है कि अखिलेश से तलाक के बाद अब राजभर का नया हमसफर कौन होगा। आखिर सपा से तलाक के बाद अब वह किससे सियासी निकाह करेंगे। इस मुद्दे पर सुभासपा प्रमुख ओमप्रकाश राजभर ने अभी अपने पत्ते नहीं खोले हैं।

राजभर की पहली पसंद बसपा

अखिलेश यादव के साथ ब्रेकअप के बाद राजभर के प्राथमिकता की बात की जाए तो उनकी पहली पसंद बसपा नजर आ रही है। राजभर खुलकर दलितों और पिछड़ों के मुद्दे उठाते हुए सपा को दलित विरोधी बताने में जुट गए हैं। उनको मालूम है कि अखिलेश की सबसे बड़ी राजनीतिक शत्रु बसपा है। ऐसे में वह बसपा को प्राथमिकता दे रहे हैं। राजभर ने कहा कि हमें सपा से तलाक कुबूल हैं। साथ ही उन्होंने बसपा के साथ गठबंधन करने के संकेत देते हुए कहा कि बहुजन समाज पार्टी जिंदाबाद। अब हम गठबंधन के लिए बसपा अध्यक्ष मायावती का दरवाजा खटखटाएंगे। उन्होंने कहा कि पूर्वांचल में उनकी पार्टी का मजबूत संगठन हैं। ऐसे में अगर बसपा के साथ उनके समाज का वोटर जुड़ जाएगा तो बसपा और मजबूत होकर उभरेगी। 2024 के पहले अभी बहुत गोलबंदी होगी देखते जाइए। इस तरह राजभर साफ तौर पर बसपा के साथ गठबंधन की कवायद में है।

BSP Bahujan Samaj Party

बीजेपी से फिर मिलाएंगे हाथ

ओम प्रकाश राजभर अपनी तरफ से बसपा के साथ जाने की बात कर रहे है लेकिन मायावती और उनकी पार्टी की ओर से कोई तवज्जो नहीं दिया गया है। ऐसे में राजभर के सामने दूसरा विकल्प बीजेपी है। 2022 चुनाव के बाद से राजभर के तेवर बीजेपी को लेकर नरम है और राष्ट्रपति चुनाव में भी उन्होंने एनडीए उम्मीदवार द्रौपदी मुर्मू के पक्ष में वोट किया था। इतना ही नहीं केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह और केन्द्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान से राजभर की पिछले दिनों मुलाकात हो चुकी है। साथ ही वह फिर से बीजेपी के केंद्रीय और प्रदेश के नेताओं के संपर्क में बताए जा रहे हैं। ऐसे में योगी सरकार ने हाल ही में उन्हें वाईश्रेणी की सुरक्षा भी मुहैया कराई है, जिसके बाद से बीजेपी के साथ उनके गठबंधन की चर्चा तेज है।

अलगाव की पटकथा पहले से लिखी गई

सपा से अलगाव की पटकथा विधान सभा चुनाव के तत्काल बाद से लिखी जाने लगी थी। दिल्ली में भाजपा नेता धर्मेंद्र प्रधान से मुलाकात के बाद राजभर की नजदीकियां फिर से भाजपा के केंद्रीय और प्रदेश के नेताओं से बढ़ने लगीं। इन नजदीकियों की हर सूचनाएं सपा मुखिया अखिलेश को हो गई थी, जिसके बाद से उन्होंने अहम फैसलों में राजभर को साथ लाने से परहेज करना शुरू कर दिया। राष्ट्रपति चुनाव में सपा और सुभासपा की दूरियां सतह पर दिखने लगीं। इस चुनाव ने अलगाव की इबारत लिख दी थी, जिसकी इतिश्री सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने राजभर को गठबंधन से आजाद कर दिया।

निगाहें एमएलसी की एक सीट पर

गठबंधन टूटने से सुभासपा के नेता व कार्यकर्ता खुश हैं। उन्हें महसूस हो रहा है कि जल्द ही उनकी भागीदारी सत्ता में होगी। नजरें एमएलसी की दो सीटों में से एक पर है। भाजपा केंद्रीय नेतृत्व राजभर को साथ लाने के लिए एक सीट दे भी सकता है। इसके अलावा निगमों, बोर्डों, आयोगों में इनके कुछ नेताओं को जगह दिया जा सकता है। सपा से दूरी के बाद राजभर के बयान में एक अहम बदलाव आया है। द्रौपदी मुर्मू के हवाले से उन्होंने अब यह कहना शुरू कर दिया है कि राजभर बिरादरी भी एससीएसटी में आने के लिए संघर्ष कर रही है। सपा को दलित, पिछड़ा विरोधी कहना भी शुरू कर दिया है। राजभर अब राज्य में खुद को अति पिछड़ी जातियों के साथ ही दलितों के नेता के रूप में स्थापित करने की कोशिश कर रहे हैं।

यूपी में तीसरा मोर्चा बनाएंगे!

ओमप्रकाश राजभर की बसपा और दोस्ती नहीं होती है तो उनके सामने तीसरा विकल्प अपना अलग तीसरा मोर्चा बनाने की होगी। सपा से किनारे किए जा चुके शिवपाल यादव और राजभर के बीच रिश्ते ठीक-ठाक है। ऐसे में सपा को अलग-थलग कर ओपी राजभर तीसरी मोर्चा बनाने की दिशा में कदम बढ़ा सकते हैं, जिसमें शिवपाल यादव, कांग्रेस, मौलाना तौकीर रजा और जातीय आधार वाले कुछ छोटे दल शामिल हो। सपा से नाता टूटने के एक बड़े मुस्लिम संगठन ने भी राजभर को खत लिखकर नया मोर्चा बनाने की सलाह दी है।

प्रदेश में सियासी जनाधार मजबूत करने को निष्क्रिय कांग्रेस, हार से नहीं लिया सबक

- चार महीने बाद भी नहीं मिला प्रदेश अध्यक्ष
- सक्रिय नहीं दिख रहे पार्टी नेता और कार्यकर्ता
- विधान सभा चुनाव में मिल चुकी है करारी हार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी विधान सभा चुनाव में करारी हार के बाद भी कांग्रेस प्रदेश में सक्रिय नहीं दिखायी पड़ रही है। वह अपने सिकुड़ते जनाधार को वापस पाने की कोशिश करती नहीं दिख रही है। यही वजह है कि चार महीने बाद भी शीर्ष नेतृत्व अभी तक प्रदेश अध्यक्ष के नाम का ऐलान नहीं कर सका है। इसके कारण कार्यकर्ताओं में निराशा फैल रही है।

उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ के माल एवेन्यू इलाके में स्थित जिस नेहरू भवन के दरवाजे आमजन और पार्टी कार्यकर्ताओं के लिए कभी खुले रहते थे, आज उस प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय के बंद रहने वाले गेट से घुसने के लिए कांग्रेसियों को जद्दोजहद करनी पड़ती है। यह उस कांग्रेस का हाल है जिसका उत्तर प्रदेश से लोक सभा में मात्र एक सांसद, विधान सभा में दो सदस्य हैं और विधान परिषद में प्रतिनिधित्व शून्य हो चुका है। अठारहवीं विधान सभा के चुनाव में जिसे बमुश्किल ढाई प्रतिशत वोट मिले थे। पार्टी के सिकुड़ते जनाधार के बीच कांग्रेस मुख्यालय के बंद रहने वाले गेट आम जन ही नहीं, पार्टी कार्यकर्ताओं से भी उसके लगातार कटते संपर्कों का प्रतीक हैं। आए दिन भाजपा को ताल ठोक कर चुनौती देने वाली कांग्रेस उत्तर प्रदेश में विधान सभा चुनाव के चार महीने बाद भी प्रदेश अध्यक्ष तक नहीं दे पाई है। यह लोक सभा चुनाव को लेकर उसकी गंभीरता का सुबूत है। उत्तर प्रदेश में पार्टी की कमांडर बनीं प्रियंका गांधी वाड्रा विधान सभा चुनाव के बाद चार महीनों में एक दिन भी लखनऊ में नहीं रहीं।

बीते एक जून को पार्टी की ओर से आयोजित नव संकल्प कार्यशाला में शामिल होने के लिए वह लखनऊ आयीं भी तो प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में उनका प्रवास कुल 45 मिनट का ही रहा। यह उस कांग्रेस का हाल है जो 24 घंटे चुनावी मोड में रहने वाली भाजपा से मुकाबला करने के सपने देख रही है। यह विडंबना ही है कि पिछले महीने प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में आयोजित नव संकल्प कार्यशाला के मंच से खुद प्रियंका गांधी वाड्रा ने यह स्वीकार किया कि जनता से जुड़ाव न हो पाने और आम जन तक अपनी बात न पहुंचा पाने के कारण ही विधान सभा चुनाव में पार्टी को करारी हार का सामना करना पड़ा। मंच से उन्हें यह कहने के लिए विवश होना पड़ा था कि जो भी हमने किया, वो काफी नहीं था। बावजूद इसके सक्रियता नहीं दिख रही है।

पर्याप्त नहीं रहे प्रयास

प्रियंका गांधी वाड्रा ने कहा था कि हमने संगठन और अपने कार्यक्रमों में बदलाव तो किया लेकिन जनता से नहीं जुड़ पाए। पहले कांग्रेस नेता सिर्फ राजनीतिक नहीं, सामाजिक मुद्दों को लेकर और तीज-त्योहारों पर जनता के बीच जाते थे लेकिन आज हम ऐसा नहीं करते हैं। हमारे कार्यक्रमों में सिर्फ पार्टी के लोग जुटते हैं, जनता नहीं। यह बात और है कि प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय के बंद दरवाजे यह संकेत देते हैं कि पार्टी जनता से ही नहीं अपने कार्यकर्ताओं से भी दूर होती जा रही है।

जिद... सच की

Sanjay Sharma
editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

प्रकृति से खिलवाड़ और विकास मॉडल

"सवाल यह है कि प्रकृति अपना रौद्र रूप क्यों दिखा रही है? जीवनदायिनी नदियां मौत का तांडव क्यों कर रही हैं? पहाड़ डराने क्यों लगे हैं? मानसून पूरे देश में दस्तक देने में कोताही क्यों कर रहा है? देश के एक बड़े हिस्से को अनावृष्टि का सामना क्यों करना पड़ रहा है? क्या विकास के नाम पर प्रकृति के साथ किए जा रहे क्रूर व्यवहार के कारण हालात बिगड़े हैं?

देश में पिछले कुछ सालों से प्रकृति अपना रौद्र रूप दिखा रही है। देश के कई इलाके बाढ़ की त्रासदी झेल रहे हैं। पहाड़ों के दरकने, बादल फटने और हिमस्खलन की घटनाओं में इजाफा हुआ है। कहीं अतिवृष्टि तो कहीं अनावृष्टि के हालात हैं। बाढ़ के कारण साल-दर-साल धन-जन की हानि बढ़ती जा रही है। सवाल यह है कि प्रकृति अपना रौद्र रूप क्यों दिखा रही है? जीवनदायिनी नदियां मौत का तांडव क्यों कर रही हैं? पहाड़ डराने क्यों लगे हैं? मानसून पूरे देश में दस्तक देने में कोताही क्यों कर रहा है? देश के एक बड़े हिस्से को अनावृष्टि का सामना क्यों करना पड़ रहा है? क्या विकास के नाम पर प्रकृति के साथ किए जा रहे क्रूर व्यवहार के कारण हालात बिगड़े हैं? क्या देश, विकास के केंद्र में प्रकृति को न रखने का खामियाजा भुगत रहा है? क्या ग्लोबल वार्मिंग ने पृथ्वी के पूरे तंत्र को बिगाड़ दिया है? क्या सरकार को अब नए सिरे से सोचने की जरूरत महसूस नहीं हो रही है?

देश में मानसून की दस्तक के साथ कई राज्य बाढ़ की चपेट में हैं। असम से लेकर राजस्थान व गुजरात तक बाढ़ की विभीषिका से दो चार हो रहे हैं। लाखों एकड़ फसल बर्बाद हो चुकी है। हिमाचल और उत्तराखंड जैसे पहाड़ी राज्यों में बादल फटने की घटनाओं में इजाफा हो गया है। हाल में अमरनाथ यात्रा के दौरान हुए हिमस्खलन से बड़ी मानवीय क्षति हुई। आकाशीय बिजली से मरने वालों का आंकड़ा भी बढ़ा है। वहीं उत्तर भारत के कुछ इलाकों में पर्याप्त बारिश न होने से किसान परेशान हैं। सच यह है कि विकास के मॉडल ने पूरी प्रकृति को बिगाड़ दिया है। विकास के नाम पर पहाड़ों पर बन रही बड़ी-बड़ी सड़कें और वृक्षों की अंधाधुंध कटाई ने इनको कमजोर कर दिया है। विकास के जिस मॉडल को चुना गया है उसमें प्रदूषण उगलते कारखाने, सड़कों पर वाहनों का सैलाब, जंगलों के कटान व पहाड़ों से निर्मम व्यवहार ने तापमान बढ़ाने में अहम भूमिका निभाई है। उसके चलते देश के मौसम चक्र में ग्लोबल वार्मिंग का घातक असर नजर आ रहा है। विकास के नाम पर प्रकृति के साथ पिछले कुछ दशकों में जो क्रूरता दिखाई गई है उसका परिणाम सामने आने लगा है। बढ़ती जनसंख्या ने भी प्राकृतिक संसाधनों पर दबाव बढ़ाया है, जिसके चलते प्राकृतिक संसाधनों का अवैज्ञानिक तरीके से दोहन बढ़ा है जिसने जलवायु परिवर्तन के कारकों में वृद्धि ही की है। इसके कारण जल, जंगल व जमीन के साथ क्रूरता बढ़ती जा रही है। मौसम का यह रौद्र उसी का प्रतिकार है और अब समय आ गया जब सरकार को प्रकृति को केंद्र में रखकर विकास मॉडल बनाना होगा अन्यथा स्थितियों को और बिगड़ने से रोका नहीं जा सकता है।

संजय

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

महंगाई के दंश से कसमसाती जिंदगी

सुरेश सेठ

विकट महंगाई से जूझती हुई देश की जनता को एक नया समाचार मिला है कि नवीनतम गणना के अनुसार देश के रिटेल महंगाई सूचकांक में उतनी वृद्धि नहीं हुई जिसका अंदाजा लगाया जा रहा था बल्कि नये आंकड़ों के अनुसार थोक महंगाई कम होकर 15.88 फीसदी से 15.18 प्रतिशत पर आ गयी है। कुछ ऐसा ही रिटेल कीमतों में भी हुआ है। हैं तो ये कीमतें अभी भी छह प्रतिशत से ऊपर लेकिन इनकी वृद्धि दर में मामूली गिरावट आयी है।

देश में साधारण जन महंगाई से त्रस्त अपने लड़खड़ाते बजट की सुध लेता है, मुद्रास्फीति के दबाव से फटती अपनी जेब की ओर देखता है। वहीं आंकड़ा शास्त्री कहते हैं, कीमतों ने मामूली गिरावट दिखायी है लेकिन यह राहत उसे नजर क्यों नहीं आ रही? आती भी कैसे? रोजमर्रा की खाने और दैनिक इस्तेमाल की कीमतें तो घटी नहीं। बल्कि उनमें दैनिक वृद्धि जारी है। सब्जियां, फल और अन्य खाने-पीने की चीजों की कीमतें अपनी भारी वृद्धि को कायम रखे हुए हैं। आम आदमी की मूलभूत आवश्यकताओं, खाने-पीने, पहनने की चीजों को जुटाने में सारा वेतन खर्च हो जाता है। जो स्टार्टअप उद्योग शुरू हुए थे, लघु और कुटीर उद्योगों के विकास के साथ हस्तकौशल की जिन नयी वस्तुओं के बिकने की उम्मीद थी, उनके लिए तो पैसे ही नहीं बचे। नया निवेश कैसे हो जब इसकी मांग में मंदा लगा है? उम्मीद थी कि इस क्षेत्र में प्रगति होगी, लोगों को रोजगार मिलेगा। नया वेतन, नयी मांग बाजार में आयेगी परन्तु बाजार का रुख मंदी से मुड़ा नहीं। विकास दर उम्मीद के मुताबिक बढ़ी नहीं। अभी हम सात प्रतिशत विकास दर के आसपास ही चक्कर लगा रहे हैं। विशेषज्ञ महंगाई के आंकड़ों के बारे में यह कहते हैं, कि खुदरा कीमतों की दर को पांच प्रतिशत से नीचे रख सको तो सुरक्षित है मगर रिजर्व बैंक कहता है कि इस बरस के अन्त तक इस आंकड़े के छह प्रतिशत से नीचे आने की गुंजाइश ही नहीं है और उधर थोक मूल्य सूचकांक जिसकी सुरक्षित सीमा दस प्रतिशत मानी जाती है, भी सोलह प्रतिशत के आसपास है, जिससे शेयर मार्केट और निवेश निर्णय हतोत्साहित होंगे क्योंकि ये संचालित होते हैं बढ़ती मांग की संभावना से। वहीं सरकार की नयी मौद्रिक नीतियां ही एक-दूसरे से टकरा रही हैं। एक ओर मौद्रिक नीति में रैपो दर बढ़ी, अधिक ब्याज दर से फालतू निवेश घटा, बचत कर्ताओं की अधिक आय की उम्मीद से अधिक मांग और मंदी के अवसाद के टलने की उम्मीद की है और दूसरी

ओर सरकार ने लघु बचत योजनाओं की ब्याज दर को इस वर्ष बढ़ाया क्यों नहीं? वरिष्ठ नागरिक और बचत की आय पर निर्भर रहने वाला वर्ग जैसा था वैसा ही कमाई के लिहाज से रह गया। यही वह वर्ग है जिसकी कमाई सौ प्रतिशत मांग बनकर उतरती है। जब इनकी आय बढ़ी ही नहीं तो अतिरिक्त मांग कैसे उभरती? आंकड़े यह बता रहे हैं कि कोरोना महामारी के कारण नयी बेकारी की विकट स्थिति है।

कोरोना संकट में बड़ी संख्या में युवा घर लौटे। रोजगार का आसरा उन्हें अपने गांव-घरों के पास लघु और कुटीर उद्योगों के विकास से मिल सकता था। गांवों के पास एक आधुनिक कस्बाई संस्कृति में लघु और कुटीर उद्योगों के विकसित निरुपण में इन उखड़े हुए बेकारों के लिए मुक्ति मार्ग तलाशने की जरूरत है लेकिन घोषणाओं और धन आवंटन के बावजूद इस आधुनिक कस्बाई संस्कृति का विकास हुआ नहीं। देश के यह नये-पुराने बेरोजगार बेबसी के उस कगार पर खड़े रह गये, जहां मांगने पर भी उन्हें काम नहीं मिलता। धीरे-धीरे उन्होंने काम मांगने की इच्छा से भी छुटकारा पा लिया क्योंकि देश में राहत संस्कृति और अस्सी करोड़ लोगों को रियायती अनाज दे देने की भामा शाह नीति उनके आंसू पोंछने लगीं। सरकारी आंकड़े आज भी आस्थावान घोषणाएं कर रहे हैं कि इस बरस देश ने दुनिया में अपना निर्यात बढ़ाकर रिकार्ड तोड़ सफलता प्राप्त कर ली है। उम्मीद की जा रही थी कि अब निर्यात आधारित उद्योगों में निवेश बढ़ेगा, रोजगार के नये अवसर पैदा होंगे। नयी नौकरियों से पैदा नया वेतन अब अतिरिक्त मांग बनकर बाजारों में रौनक ले आयेगा और मन्दी को टाल देगा लेकिन ऐसे आशावादी लोग तसवीर का दूसरा रुख कैसे भूल गये? कैसे भूल गये कि भारत अपनी जरूरी ऊर्जा, पेट्रोलियम उत्पादों से लेकर उपचार की दवाइयों के कच्चे माल तक के लिए आयात पर निर्भर करता है। पेट्रोलियम उत्पादों की जरूरत का पिचासी प्रतिशत हम रूस, अमेरिका और मध्य-पूर्व के देशों से आयात करते हैं। अंतरराष्ट्रीय कीमतें बढ़ने से यह महंगा होता गया और इसने हर लागत गणना, हर घर के बजट को बिगाड़ दिया है। देश चलाने के लिए आयात अनिवार्य जरूरत बन गये हैं। नतीजा डॉलर के मुकाबले हमारा रुपया गिरकर अस्सी रुपये तक चला गया। हमारे हर निर्यात को विदेशियों के लिए सस्ता और हमारे हर आयात को हमारे निवेशकों, उत्पादकों और उपभोक्ताओं के लिए महंगा कर गया।

कच्चे तेल की नयी अर्थनीति से उम्मीदें

पीएस वोहरा

एक जुलाई को केंद्र सरकार द्वारा घोषित कच्चे तेल की अर्थनीति के कुछ नये प्रावधानों का आने वाले समय में सकारात्मक प्रभाव हो सकता है। इन प्रावधानों के अंतर्गत पेट्रोल, डीजल व विमानन ईंधन के निर्यात पर कर लगाया गया था, जो पेट्रोल व विमानन ईंधन के निर्यात पर छह रुपये प्रति लीटर तथा डीजल के निर्यात पर 13 रुपये प्रति लीटर था। अप्रत्याशित लाभ कर के इन दरों में 20 जुलाई से दो रुपये प्रति लीटर की कटौती की गयी है।

सोना आयात पर भी सीमा शुल्क 7.5 प्रतिशत से बढ़ाकर 12.5 प्रतिशत कर दिया गया है और सोने पर उत्पाद शुल्क की दर 15 प्रतिशत होगी। इन प्रावधानों में सबसे अच्छा आर्थिक पक्ष कच्चे तेल का उत्पादन करने वाली कंपनियों पर अतिरिक्त उत्पादन कर लगाना है। इसके अंतर्गत तेल कंपनियों को उस मुनाफे पर अतिरिक्त कर देना होगा, जो उन्होंने वैश्विक बाजार में कच्चे तेल के निर्यात से कमाया है। यह कर अब 23,250 रुपये से घट कर 17 हजार रुपये प्रति टन होगा। चालू वित्त वर्ष 2022-23 के बजट में अनुमानित विकास दर पहली तिमाही बीतने के बाद से ही घट रहा है। तब इसे नौ प्रतिशत से अधिक सोचा गया था, पर विभिन्न एजेंसियों के आकलन के अनुसार अब यह पूर्वानुमान सात प्रतिशत के आसपास है। इसके पीछे कई आर्थिक कारण हैं। वित्तीय घाटा तेजी से बढ़ा है, जिसके मुख्य कारकों में खाद्य पदार्थों पर सब्सिडी में बढ़ोतरी, कच्चे तेल पर एक्साइज ड्यूटी में कमी करने से अनुमानित वार्षिक घाटा, उर्वरकों पर सब्सिडी बढ़ाना, उज्जवला योजना पर बढ़ा खर्च आदि हैं। उल्लेखनीय है कि बजट प्रस्तुत करने के 20 दिन बाद ही रूस-यूक्रेन युद्ध शुरू हो गया, जो भारत के लिए भी एक आर्थिक समस्या बन कर सामने आया। कच्चे तेल के मूल्य में एकाएक बड़ी वृद्धि हुई। रूस और यूक्रेन से भारत को बड़े पैमाने पर उर्वरकों की आपूर्ति होती है। युद्ध के कारण इसमें कमी आयी और कृषि क्षेत्र को सहायता देने के लिए उर्वरकों पर सब्सिडी बढ़ानी पड़ी।

एक विकट चुनौती अमेरिकी डॉलर की तुलना में रुपये का लगातार कमजोर होना भी है। बीते पांच महीनों में इसमें अधिकतम 6.28 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गयी है तथा इन दिनों यह 79 रुपये से अधिक है। रुपये की गिरावट कई तरह के आर्थिक संकट पैदा करती है, जिनमें चालू वित्तीय घाटे का बढ़ना मुख्य है। यह गिरावट विदेशी निवेशकों को भी आशंकित करती है तथा इसका विपरीत प्रभाव स्टॉक मार्केट पर भी पड़ता है।

रूस-यूक्रेन युद्ध के बाद वैश्विक बाजार में कच्चे तेल के मूल्य में फरवरी से जून तक लगातार तेजी रही। अब इसमें कुछ गिरावट हो रही है। इसने भारतीय अर्थव्यवस्था व आम जन पर बहुत विकट प्रभाव डाला है। घरेलू बाजार में पेट्रोल, डीजल व रसोई गैस के मूल्य बढ़े और इसका असर समूचे बाजार की महंगाई के रूप में सामने आया। इस कारण सरकार को पेट्रोल व डीजल पर उत्पाद शुल्क में कटौती करनी पड़ी ताकि महंगाई नियंत्रित रह सके। इसके बाद जब भारतीय रुपया गिरने लगा तो स्थिति और खराब हो गयी क्योंकि इसी दौरान सोने के आयात में तेजी दर्ज की गयी। यह लगभग हर परिस्थिति में देखा जाता है कि रुपये के मूल्य में गिरावट व सोने के आयात में बढ़ोतरी में तारतम्य रहता है। चीन के बाद भारत विश्व का दूसरा सबसे बड़ा सोने का आयातक है।

इन दिनों एक तरफ रुपया लगातार दबाव में है, तो दूसरी तरफ सोने के आयात से बाहर जाती विदेशी मुद्रा इस दबाव को और बढ़ा रही है इसलिए ऐसा समझना जायज है कि सोने के आयात पर बढ़ायी गयीं कर दरों से जहां रुपये पर से दबाव कम होगा, वहीं सरकार को वित्तीय घाटा और व्यापार घाटा कम करने में भी सहायता मिलेगी।

हमारे देश की तेल कंपनियों ने निर्यात से इस दौरान खूब मुनाफा कमाया है। आंकड़ों के अनुसार, जनवरी तक रूस का भारत के कच्चे तेल आयात में दो प्रतिशत हिस्सा होता था, जो जून में 20 प्रतिशत तक पहुंच गया। यह भी देखने को मिला है कि रूस से सस्ते मूल्य पर तेल खरीद कर भारतीय तेल कंपनियां विभिन्न देशों को निर्यात कर रही हैं। इस पर अतिरिक्त उत्पादन शुल्क या विंडफाल टैक्स लगाना सराहनीय कदम कहा जा सकता है।

इसके माध्यम से सरकार घरेलू बाजार में कच्चे तेल की आपूर्ति की कमी को पूर्व नियंत्रित करने के साथ अपने कर संग्रहण को बढ़ा सकती है। तेल कंपनियों से प्राप्त यह उत्पाद शुल्क सीधा केंद्र सरकार के पास जायेगा। इसमें राज्यों का हिस्सा नहीं होगा, जिससे सरकार अपने वित्त घाटे तथा चालू वित्तीय घाटे को कम कर सकेगी। सरकार की घोषणा से तेल कंपनियों पर एक नकारात्मक प्रभाव भी देखने को मिला है। बीते हफ्ते शेयर बाजार में सरकारी तेल कंपनियों के शेयर मूल्यों में बड़ी गिरावट आयी। निजी उपक्रमों के शेयर भी कुछ गिरे हैं पर इन कंपनियों के निवेशकों को हतोत्साहित नहीं होना चाहिए। देश के आर्थिक हित में ऐसे प्रावधान जरूरी हैं। हालांकि इससे आगे बीपीसीएल के होने वाले विनिवेश पर भी असर पड़ सकता है। सरकार की इन घोषणाओं का उद्देश्य घरेलू बाजार में कच्चे तेल के मूल्यों को तर्कसंगत बनाना है न कि अनावश्यक हस्तक्षेप करना।

घर को खूबसूरत बनाने के लिए आप कई तरह की प्लानिंग पहले ही कर लेते हैं। अगर आप खुद अपने घर के फ्रंट को अच्छा दिखाना चाहते हैं, तो पहले से ही उसके बाहर के डिजाइन को फाइनल कर लें।

घर को बाहर से भी बनाएं खूबसूरत

घर को सजाने के लिए आपके पास कई तरीके मौजूद होते हैं और स्मार्ट लोग आजकल इंटरनेट के जरिए भी अपने घर का सजाने के कई तरीके खोज निकालते हैं। ऐसे में अगर बात हो आपके घर के फ्रंट को अच्छा बनाने की तो आपका दिमाग चकरा सकता है। ऐसे में दिमाग पर ज्यादा जोर डालने की जरूरत नहीं है, बस अपनी जानकारी को थोड़ा बढ़ा लें और हमारे टिप्स से अपने घर के फ्रंट को भी खूबसूरत बना लें।

क्लियर हो नए घर का डिजाइन

किसी के लिए भी अपना घर बनाना खुशी भरा लम्हा होता है। ऐसे में अपने नये घर को खूबसूरत बनाने के लिए आप कई तरह की प्लानिंग पहले ही कर लेते हैं। घर के फ्रंट को बेहतर बनाने के लिए सबसे जरूरी है कि बाहर का डिजाइन फाइनल कर लें। अगर घर के बाहर का डिजाइन क्लियर है तो आपको अपने होम के फ्रंट को अच्छा बनाने में बस थोड़ी सी क्रिएटिविटी और कलर की जानकारी की ही जरूरत पड़ेगी।

फ्रंट की रौनक बढ़ाए लाइटिंग

किसी भी घर को खूबसूरत बनाने में उसका डिजाइन ही नहीं बल्कि उसकी लाइटिंग भी अहम भूमिका निभाती है। ऐसे ही घर के बाहर लगने वाली लाइट्स भी आपके आशियाने को कुछ नया लुक दे सकती हैं। आप फ्रंट के लिए लालटेन या किसी भी मैचिंग फैंसी लाइट को अपने घर की बालकनी में लगा सकते हैं। आजकल बाजार में पुराने जमाने में लगाई जाने वाली लाइट्स की डिजाइन काफी मिल जाती हैं। आप उनमें से भी किसी लाइट को खरीद सकते हैं। इसके अलावा आप फ्रंट की दिवारों को अलग-अलग रंग में देखना चाहते हैं, तो फ्लड लाइट का प्रयोग कर सकते हैं। ये लाइट्स आजकल एलईडी में आ रही हैं जिस वजह से आपको ज्यादा बिजली के बिल की फिक्र नहीं रहती है।

आउटडोर वॉल को दें खास लुक

घर के फ्रंट की दीवार के लिए हर कोई पहले से ही प्लान कर लेता है कि उस दिवार पर कलर कराना है या फिर उसपर टाइल्स लगवानी है। ऐसे में आप अपने घर की बाहरी दिवार को लेकर ऐसे कलर चुनें जो आपके पूरे घर को अच्छे से रिप्रजेंट कर सकें। ज्यादा चटकीले कलर चुनने के बजाय घर को सिंपल और सोवर कलर से रंगें। अगर आप घर की दिवार पर रंग कराने की बजाय टाइल्स लगवाने की सोच रहे हैं तो आजकल 3डी टाइल्स, वूड और रेट्रो डिजाइन की टाइल्स काफी चलन में हैं। आप शोरूम में जाकर अपने लिए सही टाइल्स को ले सकते हैं।

रेलिंग को न करें नजरअंदाज

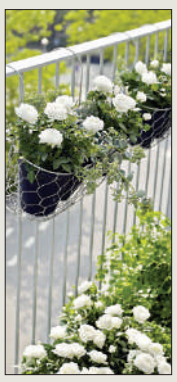

फ्रंट की रेलिंग को लेकर कई लोग गंभीर नहीं दिखते हैं, ऐसे में घर का लुक काफी पुराना टाइप का लगने लगता है। आजकल रेलिंग पर ग्लास और स्टील वर्क काफी फेमस है। इसके अलावा वूड वर्क भी आपके घर को खूबसूरत बना सकता है। बालकनी में स्टील का प्रयोग काफी होने लगा है। लोहे की ग्रील जहां एक तरफजंग पकड़ लेती है, वहीं हर साल पेंट कराने की झिकझिक भी बनी रहती है। ऐसे में ये समस्या आपको स्टील की ग्रील में फेस नहीं करनी पड़ती।

छोटा गार्डन लगा देगा चार चांद

हर कोई चाहता है कि उसके घर में छोटा गार्डन भी हो। आजकल जमीन की बढ़ते दाम की वजह से हर कोई अपना ये सपना पूरा नहीं कर पाता है। ऐसे में जरूरी नहीं कि आप गार्डन के लिए ज्यादा जगह दें। आप बालकनी या घर के बाहर थोड़ी जगह छोड़कर एक छोटा गार्डन बना सकते हैं। इसके लिए आपको ज्यादा पैसे भी नहीं खर्च करने पड़ेंगे और बाहर से आपका घर भी खूबसूरत लगने लगेगा।

हंसना मना है

श्याम ने एक राह चलती अजनबी लड़की से कहा: आपने पहचाना मुझे? लड़की: नहीं, आप कौन हो? श्याम: मैं वही हूं, जिसे आपने कल भी नहीं पहचाना था।

पापा: बेटा, अमेरिका में 15 साल के बच्चे भी अपने पैरों पर खड़े हो जाते हैं। बेटा: लेकिन पापा, भारत में तो एक साल का बच्चा भागने भी लगता है।

पत्नी ने पति को एक जोर का तमाचा मारा। पति तिलमिला उठा और पूछा: मैंने क्या गलती की? पत्नी: तुम कोई गलती करो उसके लिए मैं इंतजार थोड़े ही करती रहूंगी।

रवि ने चैलेंज किया कि वह कुतुब मीनार को सिर पर रख कर मुंबई ले जा सकता है। इस पर सारी मीडिया वहां पहुंच गई। तब रवि ने मीडिया से कहा -बस कोई कुतुब मीनार उठाकर उसके सिर पर रख दे।

कॉलेज में एक लड़की ने दाखिला लिया...सारे लड़के-लड़कियों ने उसे चिढ़ाने के लिए बुआ कहना शुरू कर दिया। कुछ दिनों तक तो उस बेचारी ने सहन किया। अंत में उसने तंग आकर प्रिंसिपल से शिकायत कर दी। लड़की की बात सुन कर प्रिंसिपल को बड़ा क्रोध आया वह क्लास रूम में पहुंचे और बोले, जो भी इसे बुआ कहता है वह तुरन्त खड़ा हो जाए। एक-एक करके सारी क्लास खड़ी हो गई। केवल रवि बैठा रहा तो प्रिंसिपल ने बड़ी हैरानी के साथ उससे पूछा,क्यों रवि तुम क्यों बैठे हो?रवि ने कहा-सर! मैं इस क्लास का फूफा हूं।

कहानी — लोमड़ी और हंस

एक लोमड़ी और एक हंस दोनों आपस में अच्छे दोस्त थे। एक दिन लोमड़ी ने हंस को दावत पर अपने घर बुलाया। हंस दावत पर गया और लोमड़ी ने दोनों के लिए खीर बनाई लेकिन लोमड़ी ने जानबूझकर दोनों के लिए प्लेट में खीर परोसी। अब हंस के सामने परेशानी यह थी कि वो खीर खाये तो कैसे खाये। क्योंकि हंस का मुंह तो पतला होता है और उसकी चोंच भी बिलकुल ऐसी नहीं थी कि वो एक प्लेट में रखी हुई खीर आसानी से खा सके इसलिए बहुत कोशिश करने के बाद भी हंस कुछ न खा सका। इधर लोमड़ी मजे से खीर खा रही थी क्योंकि प्लेट में खाना उसके लिए बेहद आसान था इसलिए लोमड़ी ने जल्दी ही अपनी खीर चट कर दी। बेचारा हंस चुपचाप बस लोमड़ी का मुंह देखता रह गया। हंस लोमड़ी के इस व्यवहार पर बेहद नाराज हुआ लेकिन उस समय वो चुपचाप वहां से चला गया। अब वो लोमड़ी से इस अपमान का बदला लेना चाहता था इसलिए कुछ दिन बाद उसने भी लोमड़ी को अपने घर दावत पर बुलाया। इस बार हंस ने दोनों के लिए खिचड़ी पकाई। जब लोमड़ी दावत पर आयी तो हंस ने दोनों के लिए पतले मुंह वाली सुराहियों में खिचड़ी परोसी। अब लोमड़ी यह देखकर परेशान हो गयी कि उसके लिए एक पतले मुंह वाली सुराही में खाना परोसा गया है जिसके कारण वो कुछ भी खा नहीं सकती। लोमड़ी को इस बार बहुत जोरो की भूख लगी थी लेकिन अब वो खाये तो कैसे। इधर हंस बड़े मजे से खिचड़ी का आनंद ले रहा था क्यूंकि लम्बे और पतले मुंह वाली सुराही में खाना उसके लिए बहुत आसान था। लोमड़ी अब चुपचाप ये सब देखती रही और अब उसे वो पुरानी बात याद आ गयी जब इसी तरह उसने भी हंस का अपमान किया था। अब लोमड़ी बात को समझ चुकी थी इसलिए वो चुपचाप वहां से खिसक ली। इस प्रकार हंस ने अपने अपमान का बदला ले लिया।

कहानी से शिक्षा: घर आये मेहमान का कभी अपमान नहीं करना चाहिए।

7 अंतर खोजें

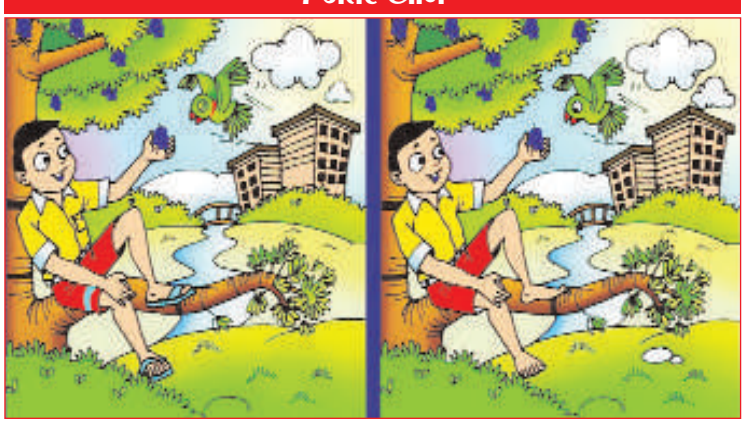

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

आज का दिन अच्छा रहने वाला है। कार्यक्षेत्र में पहले से बनी हुई योजना को किसी और के सामने न रखें अन्यथा दूसरा इसका फायदा उठा सकता है।

वृषभ

अपने रास्ते में आने वाली चुनौतियों का लुत्फ उठाएंगे। आप महसूस करेंगे कि सफलता पाने की आग आपके अंदर है। और लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए हर संभव प्रयास करेंगे।

मिथुन

निवेश करते समय सावधान रहें। व्यापार में लाभ होगा। इस राशि के छात्रों को अधिक मेहनत करनी पड़ेगी। कला क्षेत्र से जुड़े छात्रों को आज अच्छा पैसा मिलेगा।

कर्क

आज आपको मेहनत से कम फल मिलेगा। फिर भी काम के प्रति आपकी लगन कम नहीं होगी। अन्य लोगों के साथ संबंध ठीक रहेंगे। सेहत आज अच्छी रहेगी।

सिंह

ऑफिस में संभलकर रहने की जरूरत है। कोई आपकी परेशानी का कारण बन सकता है। किसी की मदद सोच-समझकर लें क्योंकि आज धोखे की प्रबल संभावना है।

कन्या

अधिकारी वर्ग के लिए आज का दिन अच्छा रहेगा। बुरी आदतों और नशीले पदार्थों से दूर रहें नहीं तो आप और अधिक परेशान होंगे। शारीरिक थकान और आलस्य जैसी छोटी-मोटी परेशानियां भी बनी रहेंगी।

तुला

आज कोई काम में आपकी मदद कर सकता है। समय के साथ चलें, आप जो काम करना चाहते हैं या अपनी योजना के बारे में जल्द ही कोई अच्छी खबर मिल सकती है। थोड़ा धैर्य रखें।

वृश्चिक

आपके प्रेम संबंधों में नई जान आएगी। आप अपनी पुरानी आदतों को छोड़कर नई शुरुआत करने के लिए तैयार हैं। ऐसा करने से आपका जीवन के प्रति नजरिया बदल जाएगा ।

धनु

आज वही करें जो मन को अच्छा लगता है, शुभ समाचार मिलेगा आज आपका अनुशासन भंग हो सकता है। पुराने मामले न उठाएं। खर्चे भी होने की संभावना बन रही है।

मकर

आलस्य के कारण कोई काम टल सकता है। ऑफिस में साथ काम करने वाले लोगों से वाद-विवाद या मतभेद होने की भी संभावना है। वाहन का प्रयोग सावधानी से करें।

कुम्भ

जो योजनाएं आपके हाथ में हैं उनके अलावा आपके हाथ में और भी बहुत से काम होंगे। कार्यक्षेत्र में प्राप्त शुभ समाचार को सुनने के लिए अपने आंख-कान खुले रखें।

मीन

काम के सिलसिले में आपको विदेश यात्रा करनी पड़ सकती है। साथ ही नई जमीन खरीदने का भी मौका मिल सकता है। आज नौकरी में तरक्की के योग हैं। व्यापार के मामले में आपको अच्छे परिणाम मिलेंगे।

बॉलीवुड | मन की बात

मलखान को याद कर इमोशनल हुईं सौम्या टंडन

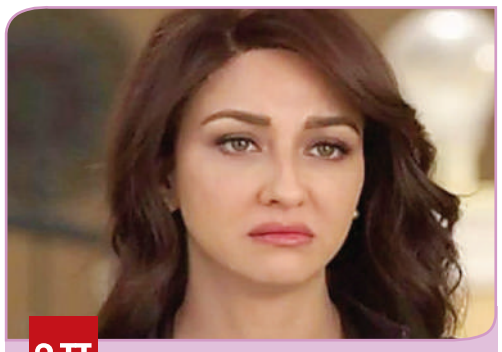

भाबीजी घर पर हैं सीरियल में मलखान का किरदार निभाकर दीपेश भान ने लोगों के दिलों में अपनी खास जगह बना ली थी। दीपेश के निधन ने हर किसी के दिलों को तोड़ दिया है। एक्टर के परिवार के साथ उनके दोस्तों और को-स्टार्स को भी दीपेश के चले जाने से गहरा सदमा पहुंचा है। दीपेश के निधन के बाद से हर कोई सदमे में है। एक्ट्रेस सौम्या टंडन ने अब एक इमोशनल पोस्ट शेयर करके दीपेश को याद किया है। दीपेश के निधन से तो पूरी टीवी इंडस्ट्री में सन्नाटा पसर गया है, लेकिन जिन स्टार्स ने दीपेश संग काम किया है, उनके तो आंसू थमने का नाम ही नहीं ले रहे हैं। भाबीजी घर पर हैं शो में दीपेश के साथ काम कर चुकीं सौम्या टंडन उर्फ अनीता भाभी ने एक डांसिंग वीडियो शेयर करके उन्हें याद किया है। वीडियो में सौम्या दीपेश और वैभव माथुर संग मस्ती करती हुई नजर आ रही हैं। सौम्या टंडन ने खास वीडियो शेयर करते हुए दिल को छू लेने वाला नोट लिखा है कि इस वीडियो को शेयर करने के लिए शुक्रिया। इसे बनाते वक्त हम लोगों ने काफी मस्ती की थी। वीडियो को बनाने के बीच दीपेश के साथ कई बार हंसी। जिंदगी बहुत ज्यादा अनप्रेडिक्टेबल है। मैं खुद को खुशकिस्मत समझती हूं, क्योंकि दीपेश की मेरे पास बहुत सारी खूबसूरत यादें हैं। मैं सभी से यह कहना चाहती हूं कि दूसरे लोगों के साथ हमेशा काइंड रहें। आपके साथ जो भी काम करते हैं, उनके साथ अच्छे से बर्ताव करें, क्योंकि जिंदगी बहुत छोटी है। सिर्फ मोमेंट्स ही पीछे रह जाते हैं। सौम्या ने अपनी पोस्ट में यह भी लिखा है कि वो दीपेश की पत्नी और बेटे के हमेशा साथ रहेंगी। आपको बता दें कि दीपेश अपने पीछे अपनी पत्नी और 18 महीने के बेटे को छोड़ गए हैं। दीपेश के निधन से उनकी पत्नी को सबसे ज्यादा दुख पहुंचा है। हम प्रार्थना करते हैं कि मलखान यानी दीपेश की पत्नी को इस मुश्किल समय में हिम्मत मिले।

इंतजार खत्म!

मीका सिंह को मिली दुल्हनिया

बॉलीवुड | मसाला

बॉलीवुड के मोस्ट फेमस और ब्लॉकबस्टर सिंगर मीका सिंह को आखिरकार उनकी दुल्हनिया मिल गई है। मीका सिंह ने अपनी सबसे करीबी और स्पेशल फ्रेंड आकांक्षा पुरी को अपना हमसफर चुना है। मीका सिंह से शादी रचाने के लिए आकांक्षा पुरी ने बीच शो में वाइल्ड कार्ड एंट्री ली थी और अब मीका की वोटी बनने का उनका सपना सच हो गया है। मीका सिंह और आकांक्षा पुरी का साथ काफी पुराना और खास है। मीका सिंह और आकांक्षा पुरी करीब 10-12 सालों से एक दूसरे को जानते हैं और दोनों ने हर कदम पर एक दूसरे का साथ दिया है। लेकिन अब दोनों की दोस्ती का गहरा रिश्ता प्यार में बदल गया है और यही वजह है कि मीका सिंह ने अपनी वोटी बनाने के लिए आकांक्षा पुरी को चुना है। मीका सिंह से शादी रचाकर उनकी दुल्हन बनने का सपना लेकर सिंगर के स्वयंवर में 12 खूबसूरत लड़कियों ने एंट्री की थी। हर लड़की के साथ मीका सिंह का खास बॉन्ड देखने को मिला। लेकिन इन 12 में से सिर्फ तीन लड़कियां ही मीका सिंह के दिल में खास जगह बनाकर टॉप 3 में पहुंच पाई थीं। टॉप 3 में आकांक्षा पुरी के अलावा पंजाब की नीत महल और कोलकाता की प्रांतिका दास ही पहुंच पाई। शो के अंत तक नीत और प्रांतिका के साथ मीका सिंह का एक खूबसूरत बॉन्ड और केमिस्ट्री देखने को मिली। नीत और प्रांतिका ने मीका सिंह के दिल में जगह बनाकर उनकी जीवनसाथी बनने की पूरी कोशिश की, लेकिन मीका सिंह की 12 साल पुरानी दोस्त आकांक्षा पुरी ने बाजी मार ली। मीका सिंह ने अपना फैसला सुनाते हुए कहा कि उन्हें आकांक्षा, नीत और प्रांतिका तीनों में खास दोस्त नजर आता है, लेकिन उनके लिए वोटी आकांक्षा पुरी हैं। आकांक्षा को वरमाला और कंगन पहनाकर मीका सिंह ने अपने स्वयंवर के खूबसूरत सफर को पूरा किया। हालांकि, मीका सिंह ने शो में आकांक्षा पुरी संग शादी नहीं रचाई है, सिर्फ एक्ट्रेस को अपने हमसफर के तौर पर चुना है। अब देखते हैं कि फैंस को मीका सिंह और आकांक्षा पुरी की ग्रैंड वेडिंग कब देखने को मिलेगी।

खतरनाक है ये डार्लिंग्स, पति को किया किडनैप

आलिया भट्ट के फैंस के लिए 25 जुलाई का दिन बड़ी ट्रीट लेकर आया है। आलिया भट्ट, शेफाली शाह, विजय वर्मा की फिल्म डार्लिंग्स का ट्रेलर रिलीज हो गया है। हालांकि ये डार्लिंग्स आपकी सोच और समझ से परे हैं। मिस्ट्री, ड्रामा, सस्पेंस से भरी डार्लिंग्स की लाइफ काफी रोमांचक है, जिसकी रिलीज का फैंस बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। ये फिल्म 5 अगस्त को रिलीज होगी। डार्लिंग्स का ट्रेलर सस्पेंस से भरपूर है। ट्रेलर की शुरुआत होती है हमजा (विजय राज) से, जो अपनी पत्नी बदरुनिशा (आलिया) से बेहद प्यार करता है। मगर उसे छोड़कर जा रहा है। बदरुनिशा पुलिस के पास अपनी मां के साथ जाती हैं और मिसिंग रिपोर्ट दर्ज कराती है। मगर कहानी में सस्पेंस ये है कि हमजा मिसिंग नहीं है बल्कि बदरु ने उसे किडनैप कर रखा है। पति को रस्सी से बांधकर हमजा उसे खूब टॉर्चर करती है। अपने सारे जख्मों का बदला लेती है। चूहे मारने की दवा खाने में डालती है। हमजा को वो मारना नहीं चाहती बल्कि उसे तड़पाना चाहती है। बदरु के साथ हमजा ने ऐसा क्या कर दिया जिसका वो बदला ले रही है, इस सस्पेंस का खुलासा 5 अगस्त को होगा। ये डार्क कॉमेडी फैंस को पसंद आ रही है। ट्रेलर को पॉजिटिव रिस्पॉन्स मिल रहा है। जस्मीत के रीन के निर्देशन में बनी डार्लिंग्स से आलिया भट्ट प्रोडक्शन फील्ड में डेब्यू कर रही हैं। गौरी खान, आलिया भट्ट, गौरव वर्मा इसके प्रोड्यूसर्स हैं।

अजब-गजब | अपनी मौत के लिए शॉपिंग करते हैं लोग

यहां मनाया जाता है दुनिया का सबसे अनोखा फेस्टिवल

हमारे देश में किसी भी त्योहार के लिए लोग जमकर शॉपिंग करते हैं जिसमें पहनने के कपड़ों से लेकर दूसरों को उपहार देना और खाने पीने की तमाम चीजें शामिल होती हैं। लेकिन आज हम आपको एक ऐसे देश और स्थान के बारे में बताने जा रहे हैं जहां त्योहार के लिए लोग ऐसा न कर अपनी मौत के लिए शॉपिंग करते हैं। दरअसल, हम बात कर रहे हैं जापान के शुकात्सु फेस्टा त्योहार के बारे में, जिसमें लोग अपनी मौत के लिए शॉपिंग करते है। जापान की राजधानी टोक्टो में हर साल ये त्योहार मनाया जाता है। जापान में शुकात्सु का मतलब मौत के लिए तैयार होना होता है।

मरने से पहले दफनाने की तैयारी

यहां जो लोग आते हैं और मरने की तैयारी करते हैं। हर कोई चाहता है कि मरने के बाद उसे अच्छी विदाई दी जाए और उसके बाद वह परिवारवालों से मिलें। जापान में मनाए जाने वाले इस त्योहार में यहां तक प्रबंध किया गया है कि लोग इस फेस्टिवल में आएं और अपने मरने का इंतजाम खुद कर सकें यानी इस त्योहार में इस बात की हर किसी को ये आजादी होती है कि लोगों अपने लिए पहले से ही अपनी कब्र खुद चुन सकें और खरीद सकें।

अपने लिए ताबूत खरीदते हैं लोग

यहां तक की लोगों को ये भी आजादी है कि वो इन ताबूतों में लेटकर अपना लुक और फिट तय कर सकते हैं। इसीलिए लोग इस त्योहार के दौरान अपने लिए ताबूत खरीदते हैं और उसका नाप भी दिया जाता है। जब ताबूत बनकर तैयार हो जाता है तो लोग उसमें लेटकर भी देखते हैं कि कहीं वह छोटा या ज्यादा बड़ा तो नहीं है। जानकारी के मुताबिक, इस त्योहार में हर साल करीब 5000 से ज्यादा लोग शामिल होते हैं और अपनी मौत से पहले ही ताबूतों की प्री-शॉपिंग करते हैं। आपको बता दें कि यहां लोग आते हैं तो ताबूत में लेटने पर वो कौन से कपड़े पहनेंगे, इसकी भी शॉपिंग कर लेते हैं।

मेकअप भी करवा सकते हैं लोग

यहां तो लोगों के बाकायदा मेकअप भी करवाने की आजादी है। आप मरने के बाद ताबूत में खुद को कैसा देखना चाहेंगे, इसका भी इंतजाम है। लोग घंटों बैठकर पहले मेकअप करवाते हैं, ड्रेस पहनते हैं और फिर अपनी मनपसंद कब्र या यूं कहें कि ताबूत में लेटकर अपने लिए पूरा इंतजाम कर लेते हैं।

कई दशक बाद तालाब से बाहर आया ये गांव, देखकर हैरान रह गए लोग

दुनियाभर में कई रहस्य मौजूद है जो समय-समय पर सामने आते रहते हैं जिसे देखकर लोग हैरान भी रह जाते हैं। आज हम आपको एक ऐसे ही रहस्य से रूबरू कराने जा रहे हैं जो एक गांव से जुड़ा हुआ है। दरअसल, ये गांव कई दशक पहले एक तालाब में समा गया था। उसके बाद ये गांव एक बार फिर से नजर आने लगा तो लोग हैरान रह गए। पानी की समस्या के समाधान के लिए हर देश की तरह ही ब्रिटेन की सरकार ने भी कई दशक पहले एक गांव को खत्म कर तालाब बनाया था। जिससे कई बड़े शहरों में पानी की सप्लाई की जा सके। ब्रिटेन में जब गर्मी पड़ी तो तालाब का पानी सूख गया और गायब हो चुका ये गांव एक बार फिर से नजर आने लगा। उसके बाद गांव को देखने के लिए लोगों की भीड़ लग गई। बता दें कि ये घटना ब्रिटेन के डर्बीशायर की है। जहां पर ये तालाब मौजूद है। बताया जाता है कि साल 1940 के दशक में डर्बीशायर के डेरवेंट गांव को खत्मकर तालाब का निर्माण कराया गया था। इस तालाब से ब्रिटेन के डर्बी, शेफील्ड, नॉटिंघम और लीसेस्टर शहरों को पानी की सप्लाई की जाती है। साल 2018 में भीषण गर्मी पड़ने के बाद तालाब का जलस्तर बहुत नीचे चला गया, जिसकी वजह से गांव के कुछ इलाके नजर आने लगे। इस अद्भुत नजारे को देखने के लिए दूर-दूर से लोग यहां पहुंचने लगे। बता दें कि इस साल भी ब्रिटेन में भीषण गर्मी पड़ रही है जिससे लोग बेहाल हैं। हीटवेव अब तक के सभी रिकॉर्ड्स तोड़ दिए हैं। ऐसा माना जा रहा है कि अगर ऐसी ही भीषण गर्मी पड़ती रही, तो लेडीबोवर जलाशय सूख जाएगा और पानी से गांव बाहर आ जाएगा।एक रिपोर्ट के मुताबिक, गांव में सुंदर कॉटेजेज की एक कॉलोनी थी। इसी कालोनी में पथरीले पुलों के नीचे से डेरवेंट नदी बहा करती थी। इस कॉलोनी में एक संगठित समुदाय के लोग रहते थे और यहां पर कुछ घर और एक स्कूल था। इस गांव में एक चर्च था जिसका निर्माण साल 1757 में किया गया था। लेकिन शुरुआत में चर्च को नहीं तोड़ा गया था। तालाब में पानी भर जाने के बाद भी इमारत का ऊपरी हिस्सा दिखता था, लेकिन सेफ्टी का हवाला देखकर चर्च को तोड़ दिया गया। ऐसे मामले आ रहे थे कि लोग तैरकर चर्च के शिखर तक पहुंचने का प्रयास करते थे। एशोप्टन गांव में लोग मस्ती करते हुए नजर आते थे। नदी में भेड़ों को नहलाते और पारंपरिक वेशभूषा में लोग दिखाई देते थे। इस गांव में 1829 में 100 लोग रहा करते थे। गांव में जुलाई के महीने में ऊनी मेला का आयोजन किया जाता था।

बुंदेलखंड एक्सप्रेस-वे के गड्ढे बता रहे निर्माण में हुई लूट : अखिलेश

» महंगाई से पूरी तरह टूट चुका है आम आदमी भ्रष्टाचार का बोलबाला

» कुछ उद्योगपतियों को फायदा पहुंचा रही है भाजपा सरकार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा कि आने वाले समय में जो दल साथ रहेंगे उन्हीं के साथ मिलकर चुनाव लड़ेंगे। पिछले पांच साल चले गए और काम करने के तरीके से पता चलता है कि भाजपा सरकार ऐसे ही चली जाएगी। लोग शिकायत कर रहे हैं कि इस सरकार में भ्रष्टाचार बढ़ा है। कुछ उद्योगपतियों को फायदा पहुंचाया जा रहा है। भाजपा सरकार ने दूध से बनने वाली चीजों पर भी टैक्स लगा दिया है।

उन्होंने कहा कि बुंदेलखंड एक्सप्रेस-वे के उद्घाटन में बड़े-बड़े नेता आए थे। बारिश ने निर्माण की पोल खोल दी। एक्सप्रेस-वे के गड्ढे बता रहे हैं कि इसमें लूट और डकैती से बढ़कर कुछ और हुआ है। दिल और कैंसर की बीमारी तेजी से बढ़ रही है। लोगों को लाभ मिल सके इसलिए अस्पताल बनवाये थे, लेकिन भाजपा सरकार में अभी तक कोई अस्पताल शुरू नहीं हुआ। बड़े-बड़े गड्ढे पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे में दिखाई दे रहे हैं। ओपी राजभर की टिप्पणी पर उन्होंने कहा कि भाजपा नेता बताएं जब वह हमारे साथ थे, तब उन्हें क्या-क्या कहा गया था। पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद को लेकर अखिलेश ने कहा कि उन्होंने अपने समाज का तो कोई उत्थान किया नहीं, अब जो बनी हैं, उनका भी देखते हैं। भाजपा को राष्ट्रपति चुनने पर घेरते हुए कहा कि भाजपा जहां होगी वहां किसी को बोलने नहीं देगी।

जीएसटी की नई दरों पर भी अखिलेश ने सरकार को घेरा। उन्होंने कहा कि अब तो सावन में भोले भंडारी पर दूध चढ़ाने के लिए टैक्स देना होगा। आम आदमी महंगाई से पूरी तरह टूट चुका है। आने वाले चुनाव में बदलाव नजर आएगा। गौरतलब है कि इन दिनों सपा के भीतर काफी उथल-पुथल चल रही है। हाल ही में सपा की ओर से चाचा शिवपाल यादव और ओपी राजभर को पत्र भेजकर कहा गया था कि वे जहां जाना चाहें वहां जा सकते हैं।

फूलन देवी को श्रद्धांजलि

सपा के प्रदेश मुख्यालय, लखनऊ में पूर्व सांसद फूलन देवी की पुण्यतिथि पर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी गई। सपा प्रमुख अखिलेश यादव की ओर से पार्टी के राष्ट्रीय सचिव राजेन्द्र चौधरी एवं प्रदेश अध्यक्ष नरेश उत्तम पटेल ने उनके चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित करते हुए उनको नमन किया। इस मौके पर रफीक अंसारी विधायक, पूर्व एमएलसी अरविन्द कुमार सिंह, रामवृक्ष यादव, पूर्व प्रदेश कोषाध्यक्ष राज कुमार मिश्रा ने भी श्रद्धासुमन अर्पित किये।

हर महीने पांच हजार करोड़ राजस्व वसूलें डिस्काम : अवस्थी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। अपर मुख्य सचिव ऊर्जा अवनीश कुमार अवस्थी ने सभी विद्युत वितरण कंपनियों (डिस्काम) की समीक्षा करते हुए उनके लक्ष्य और वसूली का ब्यौरा लिया। उन्होंने कहा कि सभी डिस्काम मिलकर प्रति माह पांच हजार करोड़ रुपया राजस्व वसूलेंगी।

सोमवार को शक्ति भवन में आयोजित बैठक में अवनीश कुमार अवस्थी ने कहा कि डिस्काम के जिन खंडों और जोन में राजस्व वसूली पिछड़ी हुई है, वहां प्रबंध निदेशक और निदेशक वाणिज्य स्वयं जाकर समीक्षा करें और वसूली बढ़ाएं। अच्छा काम करने वाले अधिकारियों को प्रोत्साहित किया जाए। अपर मुख्य सचिव ने बिलिंग एजेंसियों के प्रतिनिधियों से उनके कामकाज का भी ब्यौरा लिया। साथ ही कहा कि जो एजेंसियां निर्धारित सेवा शर्तों के अनुरूप काम नहीं कर रही हैं, उनके खिलाफ कार्रवाई होगी। उपभोक्ताओं के पास सही रीडिंग के साथ बिल शत-प्रतिशत पहुंचना चाहिए।

केजरीवाल सरकार के खिलाफ की जा रही साजिश : संजय सिंह

» फर्जी मुकदमों से उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया को किया जा रहा परेशान

» सीएम केजरीवाल को सिंगापुर जाने से रोका गया, जांच एजेंसियों का किया जा रहा दुरुपयोग

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। आप के वरिष्ठ नेता और राज्य सभा सदस्य संजय सिंह ने भाजपा सरकार पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि दिल्ली सरकार के मंत्रियों पर झूठे आरोप लगाए जा रहे हैं। उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया एक ईमानदार शिक्षा मंत्री हैं। वे दिल्ली के 18 लाख बच्चों को अच्छी शिक्षा देने का काम कर रहे हैं। उनको रोज परेशान करना, फर्जी मुकदमें लगाना ये राज्य सरकार के कार्यों में गतिरोध पैदा करने की कोशिश है।

उन्होंने कहा कि इससे पहले कैबिनेट मंत्री सत्येंद्र जैन पर भी झूठे आरोप लगाए गए और उनको जेल में बंद रखा गया है। जांच एजेंसियों का गलत इस्तेमाल किया जा रहा है। केजरीवाल सरकार के खिलाफ साजिश को चरणबद्ध तरीके से अंजाम दिया जा रहा है। दिल्ली में

विधायकों को पकड़ कर जेल में डाला गया है, जो बाद में बरी हो गए। मुख्यमंत्री, उपमुख्यमंत्री पर सीबीआई का छापा मारा गया। सत्येंद्र जैन को ईडी ने गिरफ्तार करके जेल में रखा है। उन्होंने कहा कि जैन कोरोना के समय खुद बीमार हो गए और उनके पिता की मृत्यु हो गई लेकिन वह दिल्लीवालों की सेवा करते रहे। मनीष सिसोदिया दिल्ली में शिक्षा बेहतर कैसे होगी, इस पर हर समय काम करते हैं। सिंगापुर जाकर मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को दिल्ली मॉडल के बारे में बताना था। उन्हें सिंगापुर जाने से रोक दिया गया।

सीपीआर से मेडिकल इमरजेंसी में मिलती है मदद : श्वेता श्रीवास्तव

» सहायक पुलिस आयुक्त ने जागरूकता अभियान की सराहना की

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। एकेडमी ऑफ पीडियाट्रिक्स द्वारा कार्डियो पल्मोनरी रिससिटेशन जागरूकता सप्ताह 17 से 24 जुलाई तक चलाया गया। डा. बेग चाइल्ड केयर लखनऊ एकेडमी ऑफ पीडियाट्रिक्स, महाउदय सोसाइटी, चाइल्ड लाइन हम के माध्यम से एक सप्ताह तक चलाये गये कार्यक्रम के समापन मौके पर मुख्य अतिथि सहायक पुलिस आयुक्त श्वेता श्रीवास्तव ने कहा कि इस तरह के जागरुकता कार्यक्रमों से सभी को सीख लेना चाहिए। सीपीआर की ट्रेनिंग आम जनता और पुलिस को भी देनी चाहिए जिससे मेडिकल इमरजेंसी पर किसी की तत्काल मदद की जा सके।

डा. बेग चाइल्ड केयर के प्रोप्राइटर डॉ. मिर्जा वकार बेग ने कहा कि मेरी कोशिश है कि ज्यादा से ज्यादा लोगों को सीपीआर की जानकारी हो जिससे जरूरत पर इंसान की जान बचाई जा सके। इस मौके पर डॉ. पियाली भट्टाचार्य और डॉ. सलमान खान ने

» चिकित्सकों ने लोगों को दी सीपीआर की ट्रेनिंग

वालंटियर एवं अन्य लोगों को सीपीआर की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि दुर्घटना के समय अगर सांस रुक जाए तो किस तरह सीपीआर से किसी की मदद की जा सकती है। नुक्कड़ नाटक के जरिए हेलमेट और सीट बेल्ट को लेकर भी लोगों को जागरूक किया गया। कार्यक्रम में चाइल्ड लाइन के निदेशक अंशुमाली शर्मा, महा उदय सोसाइटी की अध्यक्ष आरिफा शौकत, डॉ. टीआर यादव, संगीता शर्मा आदि मौजूद रहे।

तो भाजपा को चेतावनी है गडकरी का बयान!

» 4पीएम की परिचर्चा में प्रबुद्धजनों ने किया मंथन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। बेबाक बयानों के लिए प्रसिद्ध केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी का एक बयान सुर्खियों में है। उन्होंने कहा कि मुझे कई बार लगता है कि मैं राजनीति छोड़ दूं। महात्मा गांधी के समय राजनीति देश, समाज, विकास के लिए होती थी। अब राजनीति सिर्फ सत्ता के लिए होती है। ऐसे में सवाल उठता हैं कि क्या नितिन गडकरी ने सच बोला कि अब राजनीति केवल सत्ता के लिए होती है। इस मुद्दे पर वरिष्ठ पत्रकार अशोक वानखेड़े, तुलसीदास भोईटे, डॉ. सीपी राय, दिनेश के वोहरा, समीरात्मज मिश्रा और 4पीएम के संपादक संजय शर्मा ने एक लंबी परिचर्चा की।

समीरात्मज मिश्र ने कहा कि गडकरी भी आम आदमी की तरह सोचते हैं। वे मन की बात सार्वजनिक तौर पर बोलते हैं। अक्सर वे ऐसे बयान दे देते हैं कि सबके मन में सवाल उमड़ते रहते हैं। पहले भी उन्होंने ही कहा था कि जनप्रतिनिधि ठीक

से काम नहीं करेंगे तो जनता उन्हें जूतों से मारेगी। दिनेश के वोहरा ने कहा कि पहले जिस कैबिनेट के अंदर सरदार पटेल, अंबेडकर, श्यामा प्रसाद मुखर्जी, सरदार बलदेव थे जो आग में तपकर निकले थे, उस समय सत्ता नाम का शब्द नहीं था, सेवा नाम का शब्द था। अब इनके पहिए सत्ता के हैं। नितिन गडकरी ईमानदारी व्यक्ति है, वह व्यक्ति सत्ता में रहकर भी लगातार चेताता रहता है। अशोक वानखेड़े ने कहा कि समय ऐसा आ गया है कि अब राज कारण नहीं सत्ता कारण है। अब राजनीति में चुनाव जीतना अहम है। आजकल का समाज इस बात को मानने लगा है कि जो जीता वही सिकंदर।

डॉ. सीपी राय ने कहा कि गडकरीजी क्या-क्या खोजते हैं, क्या-क्या सोचते हैं, कह पाना मुश्किल हैं।

गडकरी ऐसे है, जिनका संबंध सीधा संघ से है। वो एक अलग तरह के व्यक्ति हैं। तुलसीदास भोईटे ने कहा कि गडकरी के बयान के बाद चर्चा है कि वे सन्यास लेने जा रहे पर ऐसा है नहीं। गडकरी ने कई ऐसे बयान दिए, जिनसे भाजपा को सोचने तक को मजबूर कर दिया।

परिचर्चा
रोज शाम को छह बजे देखिए 4PM News Network पर एक ज्वलंत विषय पर चर्चा

गांधी के राज्य गुजरात में जहरीली शराब पीकर मर गए दर्जनों लोग, कौन जिम्मेदार है इसका!

आजादी का यह कैसा अमृत महोत्सव जहां तड़प-तड़प कर मर रहे हैं लोग

» गुजरात और बिहार में लागू है शराबबंदी तो कहां से आयी यह अवैध शराब

» हर साल करोड़ों रुपये की शराब से अवैध वसूली हो रही है गुजरात और बिहार में

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। गांधी के राज्य गुजरात में बीते 48 घंटे में जहरीली शराब पीने से अब तक 28 लोगों की मौत हो चुकी है। 50 से ज्यादा लोग बीमार हैं। मरने वालों की संख्या बढ़ भी सकती है क्योंकि अस्पताल में भर्ती कई मरीजों की हालत गंभीर है। पुलिस के अनुसार बोटाद जिले में गांव रोजिद के पास नभोई गांव में जहरीली शराब पीने के बाद करीब 4 दर्जन लोगों की तबीयत खराब हुई, जिन्हें सोमवार सुबह अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना की जांच भावनगर रेंज आईजी अशोक यादव कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि जो भी जिम्मेदार लोग होंगे, उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

शराब कांड को लेकर गुजरात में विपक्ष ने सत्ताधारी भाजपा पर सीधे भ्रष्टाचार का आरोप लगाते हुए कहा है कि गांधीजी के गुजरात में शराबबंदी होने के बावजूद गांव-गांव में अवैध शराब के अड्डे खुल गए हैं। नेता व पुलिस अधिकारी की मिलीभगत के कारण अवैध शराब का कारोबार चल रहा है। बिहार की तरह यहां भी शराबबंदी लागू हैं। बावजूद हर साल करोड़ों रुपये की शराब से अवैध वसूली हो रही है। कांग्रेस के मुख्य प्रवक्ता मनीष दोषी एवं प्रवक्ता मनहर पटेल ने भाजपा सरकार को दोषी बताते हुए कहा है कि सरकार की भ्रष्ट नीति के कारण राज्य में गांव से गांधीनगर तक भ्रष्टाचार फैला है।

उधर, विशेष जांच दल (एसआईटी) की छानबीन में कुछ चौंकाने वाली बातें सामने आई हैं। प्रारंभिक जांच और संदिग्धों से पूछताछ के बाद गुजरात पुलिस का कहना है कि मृतकों को शराब के बदले रसायन बेचे गए थे। रविवार की रात केमिकल के सेवन से ही लोग बीमार पड़ गए। एसआईटी की जांच के अनुसार एमोस नाम की एक कंपनी ने मिथाइल की आपूर्ति की थी, जो पीड़ितों द्वारा पी गई जहरीली शराब में मौजूद थी। छानबीन में पता चला कि आरोपी जयेश उर्फ राजू ने अपने रिश्तेदार संजय को 60,000 रुपये में 200 लीटर मिथाइल की आपूर्ति की। संजय और उसके सहयोगी पिंटू ने देशी शराब के नाम पर मिथाइल और केमिकल से भरे पाउच लोगों को बेच दिए। शराब के नाम पर रसायन के सेवन के बाद लोग बीमार होते गए और फिर एक के बाद एक लोग दम तोड़ते गए। पुलिस ने अब तक शराब कांड में शामिल होने के आरोप में 10 लोगों को हिरासत में लिया है।

28 लोगों की हो चुकी है अब तक मौत, 50 से ज्यादा लोग भर्ती

राज्य में शराबबंदी, फिर कैसे बिक रही शराब?

शराब कांड को लेकर जिले के प्रभारी मंत्री वीनू मरोदिया ने कहा कि ये घटना दुखद है और शर्मनाक। हम इसकी जांच करेंगे कि शराबबंदी के बावजूद राज्य में शराब कैसे और कौन बेच रहा है? गुजरात में 1960 से ही शराबबंदी लागू कर दी गई थी। 2017 में गुजरात सरकार ने शराबबंदी से जुड़े कानून को और कठोर कर दिया था। इसके तहत अगर कोई गैरकानूनी तरीके से शराब की बिक्री करता है, तो उसे 10 साल कैद और 5 लाख रुपए जुर्माने की सजा हो सकती है।

एसआईटी कर रही मामले की जांच

सरकार ने जांच के लिए एसआईटी रैंक के अधिकारी की अध्यक्षता में पूरे मामले की जांच सौंपी है। इसके लिए एसआईटी का गठन किया गया है। शुरुआती जांच में पता चला है कि रोजिंद, नभोई, अणीयाणी, आकरू, चंदरवा और उंचडी गांव के लोग इसकी चपेट में आए हैं।

एलयू को 'ए++' श्रेणी प्राप्त होना गर्व की बात: राज्यपाल

लखनऊ विश्वविद्यालय के लिए ऐतिहासिक दिन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल के विशेष प्रयासों से लखनऊ विश्वविद्यालय को राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद (नैक) द्वारा 'ए++' श्रेणी प्रदान की गई है। इस अवसर पर राज्यपाल ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उन्होंने विश्वविद्यालय परिवार और प्रदेशवासियों को बधाई दी।

उन्होंने कहा नैक मूल्यांकन में विश्वविद्यालय को 'एप्लसप्लस' श्रेणी प्राप्त होना निश्चय ही गर्व की बात है, क्योंकि नैक द्वारा भारत में उच्च शिक्षा संस्थानों में शिक्षण कार्य के साथ-साथ समग्र व्यवस्थाओं का आकलन किया जाता है। यह राज्य का पहला राज्य विश्वविद्यालय है जिसने यह उपलब्धि प्राप्त की है। राज्यपाल ने कहा यह उपलब्धि प्रदेश के अन्य विश्वविद्यालयों के लिये प्रेरणादायी है। उन्होंने विश्वविद्यालय को गुणवत्ता उत्कृष्ट करने के प्रयासों को उच्चतम श्रेणी प्राप्त करने तक निरंतर जारी रखने के लिए उत्साहवर्धन किया है। यहां विशेष उल्लेखनीय है कि प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल द्वारा विगत दो वर्षों से प्रदेश के उच्च शिक्षा संस्थानों और विश्वविद्यालयों में शिक्षण एवं व्यवस्थाओं में गुणवत्ता सुधार हेतु वृहद स्तर पर विशेष प्रयासरत होकर कार्य किया जा रहा है।

लखनऊ विवि के अनुसार नैक की ओर से विश्वविद्यालय को ए प्लस प्लस ग्रेड मिल गया है। कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने भी इसकी जानकारी दी है। वहीं, ए प्लस प्लस मिलने के बाद विश्वविद्यालय में कुलपति को बधाई देने का सिलसिला जारी है। लखनऊ विवि को पिछली बार 2014 मे नैक का बी प्लस ग्रेड मिला था। 2019 में पांच साल की समय सीमा पूरी हो गई। उसके बाद कुलपति प्रो. आलोक राय ने नैक मूल्यांकन में अच्छे ग्रेड के लिए तैयारी शुरू की।

सुल्तानपुर: ट्रक ने सिपाही-ड्राइवर को रौंदा

» दोनों की मौत, प्रवर्तन अधिकारी बाल-बाल बचे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सुल्तानपुर में गोसाईंगंज थाना क्षेत्र स्थित उघरपुर चौराहे के निकट एक ट्रक ड्राइवर ने एआरटीओ प्रवर्तन (एनफोर्समेंट) के एक सिपाही और ड्राइवर को रौंद दिया। इसके बाद एआरटीओ की गाड़ी को भी टक्कर मारी और मौके पर ट्रक छोड़कर ड्राइवर फरार हो गया। हादसे में दोनों कर्मियों की मौत हो गई है, जबकि प्रवर्तन अधिकारी बाल-बाल बचे। हादसे करने वाले ट्रक का नंबर यूपी33एटी7419 है।

एआरटीओ प्रवर्तन ने इस मामले में केस दर्ज कराया है। पुलिस ने ट्रक को कब्जे में लेकर कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस अधिकारियों को गाड़ियों से कुचलने की यह वारदात बीते एक हफ्ते में तीसरी है। इससे पहले हरियाणा में डीएसपी और झारखंड में एसआई को अपराधियों ने कुचलकर मार डाला था।

जानकारी के अनुसार एआरटीओ प्रवर्तन राकेश कुमार आज सुबह लखनऊ-बलिया मार्ग पर टीम के साथ वाहनों की चेकिंग कर रहे थे। इस बीच सुल्तानपुर से कादीपुर की तरफ जा रहे एक ट्रक ने एआरटीओ में संविदा पर तैनात ड्राइवर अब्दुल मोबीन और सिपाही अरुण सिंह को कुचल दिया। एआरटीओ की कार को भी टक्कर मारी। ट्रक ड्राइवर मौके से फरार हो गया। पुलिस के पहुंचने से पहले ड्राइवर मोबीन और सिपाही अरुण की मौत हो चुकी थी। अरुण लखनऊ में बीकेटी के रहने वाले थे। ड्राइवर मोबीन सुल्तानपुर के शास्त्रीनगर के रहने वाले थे।

पार्थ चटर्जी को तुरंत बर्खास्त करे बंगाल सरकार: चौधरी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। बंगाल के शिक्षक भर्ती घोटाले को लेकर जमकर सियासत हो रही है। भाजपा समेत दूसरे दलों के नेता ममता सरकार पर हमला बोलने का कोई मौका नहीं छोड़ रहे हैं। इस बीच कांग्रेस नेता अधीर रंजन चौधरी ने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को पत्र लिखा है।

उन्होंने ममता बनर्जी को पत्र लिखकर पार्थ चटर्जी को तुरंत मंत्री पद से बर्खास्त करने की मांग की है। उन्होंने पत्र में लिखा है कि पार्थ चटर्जी 2014 से लेकर 2021 तक राज्य के शिक्षा मंत्री रहें। उनके मंत्री रहते शिक्षक भर्ती घोटाला हुआ, ऐसे में मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को तुरंत ही उन्हें मंत्री पद से बर्खास्त कर देना चाहिए। बता दें कि पार्थ चटर्जी को तीन अगस्त तक ईडी की हिरासत का आदेश दिया गया है।

राष्ट्रपति से समस्याओं के निस्तारण की गुहार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। नेपाल के तलहटी में स्थित ग्राम बेला परसुआ में व्याप्त जनसमस्याओं के मद्देनजर निघासन तहसील एवं ब्लॉक के ग्रामवासियों की समस्याओं के निराकरण के लिए संघर्षरत समाजसेवी अधिवक्ता मोहम्मद हैदर ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को पत्र भेजकर यहां की समस्याओं के निराकरण का अनुरोध किया है।

उन्होंने कहा कि यह गांव थारू जनजाति बाहुल्य है। अधिवक्ता मोहम्मद हैदर ने यहां ग्रामीणों के अनुरोध पर इस गांव में व्याप्त समस्याओं के संबंध में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को पत्र लिखकर इस जनजातीय बाहुल्य ग्राम में आने और यहां की समस्याओं से निजात

दिलाने का अनुरोध किया है। मोहम्मद हैदर ने बताया कि इस गांव में संचार की व्यवस्था सही नहीं है। बच्चों को ऑनलाइन शिक्षा नहीं मिलती है। सड़कें बदहाल हैं। ऐसी कई समस्याओं का जिक्र करते हुए उन्होंने एक विस्तृत प्रत्यावेदन अपने एवं प्रधान के संयुक्त हस्ताक्षरों से भेजा है।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक **बबिता चतुर्वेदी** के लिए **4पीएम** आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (यूपी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। **प्रधान संपादक**- अर्चना दयाल, **संपादक** - संजय शर्मा, **स्थानीय संपादक** - सूर्यकांत त्रिपाठी*, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website:** www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।